✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

✷ पटना संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 37 ✷ अंक : 09 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, शुक्रवार, 5 जून 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

पटना में पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते सीएम सम्राट चौधरी

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में लगी आग, पांच मरीज जिंदा जले

20 से अधिक मरीजों को सुरक्षित निकाला गया बाहर, मुआवजे का ऐलान

डॉ. के. के. कौशिक/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। शहर के ब्रह्मपुरा इलाके में गुरुवार तड़के एक निजी अस्पताल में आग लगने से हड़कंप मच गया। ब्रह्मपुरा थाना के समीप स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में लगी आग के बाद मरीजों, परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। राहत और बचाव अभियान के दौरान 20 से अधिक मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया जबकि दम घुटने से पांच मरीजों की मौत हो गई है। डीएम सुब्रत कुमार सेन ने घटना में चार मौत की पुष्टि की है। मौके पर एफएसएल की टीम पहुंच कर जांच में जुट गयी है। हालांकि सुबह करीब 10 मरीजों की मौत की आशंका जतायी जा रही थी। फिलहाल, जिला प्रशासन ने पांच मरीजों के मौत की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 3:40 बजे अस्पताल के आईसीयू वार्ड के एक मशीन से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ। कुछ ही देर में पूरा वार्ड धुएं से भर गया। उस समय आईसीयू में कई गंभीर मरीज भर्ती थे। धुआं फैलते ही अस्पताल परिसर में

चीख-पुकार मच गई। अस्पताल स्टाफ ने तत्काल वार्ड में फंसे लोगों को रेस्क्यू करना शुरू किया। साथ ही तत्काल फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आईसीयू की खिड़कियों और दरवाजों को तोड़कर अंदर फंसे मरीजों तक पहुंच बनाई। दमकलकर्मियों ने ऑक्सीजन सपोर्ट पर मौजूद मरीजों को बाहर निकालने के लिए घंटों तक अभियान चलाया, जिसमें करीब 25 से अधिक मरीजों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के दौरान अस्पताल कर्मी भी गंभीर रूप से झुलस गये। रेस्क्यू के बाद मरीजों को शहर के विभिन्न निजी और सरकारी अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। कई मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों की भारी भीड़ जुट गई। रिपोर्ट के अनुसार मरने वालों में शशांक कुमार, उदय कुमार, गीता देवी और कृष्णनंदन सिंह शामिल हैं। मरने वालों की पुष्टि जिला प्रशासन की ओर से की गयी है। सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे को लेकर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से चार व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है। शोक-संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें। मृतकों के परिजनों को अविलंब 4-4 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है तथा घायलों के उपचार हेतु सदर अस्पतालों में समुचित व्यवस्था की गई है।

उलार्क सूर्य मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखें ख्याल : नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड अंतर्गत ऐतिहासिक उलार गांव स्थित विश्व प्रसिद्ध उलार्क सूर्य मंदिर में गुरुवार को उस वक्त प्रशासनिक हलचल तेज हो गई जब बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह जदयू प्रमुख नीतीश कुमार अचानक वहां पहुंच गए। मंदिर पहुंचते ही उन्होंने गर्भगृह में स्थापित भगवान भास्कर की प्राचीन प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने मंदिर को एक बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सरकार की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों से फीडबैक भी लिया। मौके पर मौजूद लोगों और मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उलार्क सूर्य मंदिर हमारी ऐतिहासिक और पौराणिक धरोहरों में से एक है। मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान ही इस पौराणिक परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित

करने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से लगभग 14 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि आवंटित कराई गई थी। इसके तहत यहां भव्य विकास कार्य जारी है और इसे जल्द ही पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाएगा। परिसर का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखने का निर्देश दिया। मंदिर में कुछ समय बिताने और विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद वे पुनः सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री आवास के विस्तार का आदेश रद्द

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी पटना में मुख्यमंत्री आवास से जुड़े फैसले को लेकर बड़ा बदलाव हुआ है। अब मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग और 5 देशरत्न मार्ग बंगला अलग-अलग ही रहेगा। राज्य सरकार ने पहले जारी वह आदेश वापस ले लिया है जिसमें सीएम आवास का विस्तार 1 अणे मार्ग से 5 देशरत्न मार्ग तक करने की बात कही गई थी। भवन निर्माण विभाग ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगले को सीएम आवास का हिस्सा बनाने का अस्थायी आदेश अब निरस्त कर दिया गया है।

45 महिला पर्यवेक्षिकाओं के वेतन पर रोक

भभुआ(नबिटा ब्यूरो)। कैमूर जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण में लापरवाही बरतने के आरोप में 45 महिला पर्यवेक्षिकाओं के वेतन पर रोक लगा दी गई है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने सभी से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर वेतन कटौती और विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। डीपीओ ने बताया कि उन्हें पर्यवेक्षिकाओं के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कई पर्यवेक्षिकाएं अपने आवंटित आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित भ्रमण नहीं कर रही थीं और निरीक्षण प्रतिवेदन भी समय पर जमा नहीं किया जा रहा था।

हाइवा की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

खगड़िया(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चौथम थाना क्षेत्र में बीपी मंडल सेतु के पास अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की मोहम्मद अरबाज और मोहम्मद असाव के रूप में की गयी है। दोनों युवक बाइक से बेलदौर से सोनवर्षा घाट की ओर जा रहे थे तभी यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने मौके के पास सड़क को जाम कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

ओझा बता बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

गयाजी(नबिटा ब्यूरो)। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सोहैपुर पंचायत के बंधुआ गांव के शांति नगर टोला में ओझा बताकर एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात नशे में धुत दर्जनों लोगों ने बुजुर्ग के घर में घुसे और उसे घसीटकर बाहर निकाला। इसके बाद बेरहमी से पिटाई की। इस दौरान सिर पर भी हमला किया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत के बाद बदमाशों ने उसके दोनों हाथ काट दिए और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। मृतक की पहचान राजेंद्र मांझी (62) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रेलवे ट्रैक से शव बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई की जा रही है।

औरंगाबाद-रोहतास जिलों में स्टोन माइनिंग को मंजूरी, ई-नीलामी जल्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में पत्थर खनन गतिविधियों को फिर से शुरू करने की तैयारी तेज हो गयी है। राज्य के सात जिलों में बरसात के बाद पत्थर खनन शुरू कराने की दिशा में खान एवं भूतत्व विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। शेखपुरा, गया, रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर तथा बांका जिलों के लिए डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार कर ली गयी है जबकि नवादा जिले के डीएसआर को विभागीय मंजूरी भी मिल चुकी है। इन सभी जिलों में अब जल्द ही ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू होगी। जानकारी के मुताबिक सातों जिलों में कुल 31 पत्थर खदानों से खनन कार्य संचालित किया जाना प्रस्तावित है। विभाग का मानना है कि खदानों की ई-नीलामी से पारदर्शिता बढ़ेगी। साथ ही सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति होगी। निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर पत्थर की उपलब्धता सुनिश्चित होने से विकास योजनाओं की गति भी तेज होगी। अब तक राज्य में पत्थर का खनन बहुत कम मात्रा में होने से इसे पड़ोसी राज्यों से मंगवाया जाता था। सूत्रों के अनुसार खान एवं भूतत्व विभाग की तरफ से डीएसआर में पर्यावरणीय मानकों, भूगर्भीय स्थिति, खनिज भंडार और आसपास के क्षेत्रों पर संभावित प्रभाव का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही खनन पट्टों की ई-नीलामी की जायेगी। साथ ही बरसात समाप्त होने के बाद फ़ेज वाइज खनन कार्य शुरू कराया जायेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इन जिलों में पत्थर खनन शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। ट्रांसपोर्ट, क्रशर उद्योग और निर्माण क्षेत्र से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों को इसका सीधा लाभ मिलने की संभावना है।

सड़क एवं पुल निर्माण में गड़बड़ी हुई तो खैर नहीं : सम्राट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प सभागार' में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्यभर में चल रही सड़क और पुल परियोजनाओं की प्रगति, मेंटेनेंस और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की जनता को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क और पुल निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की

जाए और अनुरक्षण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वित्तीय बाधाओं के कारण किसी भी परियोजना की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी पुलों के नियमित निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की टीम से समय-समय पर पुलों की जांच कराई जाए ताकि किसी भी संभावित खतरे की पहचान समय रहते हो सके। साथ ही सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। समीक्षा बैठक में पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह एवं संजय कुमार सिंह, पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर सिंह तथा पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी समेत दो रंगे हाथ गिरफ्तार

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों और उनके मददगारों के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। ताजा मामला राजधानी पटना से सटे फुलवारीशरीफ प्रखंड का है जहां गुरुवार को निगरानी की मुख्यालय टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने मैनपुरन्दा पंचायत के राजस्व कर्मचारी श्री राणा रणविजय गोपाल को 35 हजार रुपये और उनके दलाल गुड्डू कुमार को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों की गिरफ्तारी फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र स्थित मैनपुरन्दा पंचायत भवन से हुई है। ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पटना स्थित मुख्यालय लाया गया है, जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नितिन नवीन ने विधान परिषद चुनाव पर किया मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांकीपुर के तीन मंडलों के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सरकार की ओर से चलाए जा रहे सात निश्चय-2 की योजनाओं को समीक्षा की गई। समीक्षा के बाद अपने मंडल के कार्यकर्ताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि लोगों को बरसात में कोई तकलीफ ना हो और ना ही जाम की स्थिति झेलना पड़े, इसे लेकर काम में तत्परता लाइए। नितिन नवीन ने विधान परिषद की नौ सीटों पर होने वाले चुनाव और एक सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भी महत्वपूर्ण बैठक की है। भाजपा और एनडीए की रणनीति इन सभी सीटों पर अधिकतम सफलता हासिल करने की है। बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद अब यहां होने वाले संभावित उपचुनाव को लेकर

भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। नितिन नवीन इस सीट के लिए नए उम्मीदवार की तलाश में जुट गए हैं। जानकारी के मुताबिक उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया है कि बांकीपुर विधानसभा से वही उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरेगा, जिसका क्षेत्र से सीधा जुड़ाव हो और जो स्थानीय स्तर पर लोगों के बीच सक्रिय रहा हो। पिछले कुछ समय से कई बड़े नेताओं और बाहरी चेहरों के नाम संभावित उम्मीदवारों के रूप में चर्चा में थे लेकिन अब पार्टी का रुख स्थानीय नेतृत्व को आगे बढ़ाने की ओर दिखाई दे रहा है। सूत्र बताते हैं कि नितिन नवीन कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से लगातार फीडबैक ले रहे हैं। पार्टी ऐसे चेहरे की तलाश कर रही है जिसकी क्षेत्र में स्वीकार्यता हो, संगठन में सक्रिय भूमिका रही हो और जो भाजपा की नीतियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचा सके। संभावना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच से ही किसी नए चेहरे को आगे बढ़ाकर बांकीपुर विधानसभा का उम्मीदवार बनाया जाए।

तीन किशोरियों की पोखर में डूबने से मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। जिले के भरगामा प्रखंड अंतर्गत खजुरी पंचायत के बलुआही टोला वार्ड संख्या-4 में गुरुवार दोपहर तीन किशोरियों की पोखर में डूबने से मौत हो गई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है। मृतक किशोरियों की पहचान उपेंद्र ऋषिदेव की 13 वर्षीय पुत्री रनिया कुमारी, फूलचंद ऋषिदेव की 14 वर्षीय पुत्री अंजली कुमारी तथा राजू ऋषिदेव की 14 वर्षीय पुत्री काजल कुमारी के रूप में हुई है। तीनों महादलित बस्ती की रहने वाली थीं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, तीनों किशोरियां दोपहर में जलावन चुनने के लिए घर से निकली थीं। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए वे पास स्थित एक पोखर में नहाने चली गईं। इसी दौरान वे अनजाने में पोखर के गहरे हिस्से में पहुंच गईं और डूबने लगीं। आसपास में किसी के मौजूद नहीं होने के कारण समय रहते उनकी मदद नहीं हो सकी। काफी देर तक बच्चियों के घर नहीं लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान पोखर में डूबने की आशंका होने पर ग्रामीणों ने पानी में तलाश की और काफी मशक्कत के बाद तीनों के शव बाहर निकाले। घटना की सूचना मिलते ही भरगामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस हृदय विदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अधिकरियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस क्रम में उन्होंने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास, रोजगार सृजन और प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य के असंगठित, निर्माण एवं प्रवासी श्रमिकों का डाटाबेस तीन माह के भीतर अद्यतन किया जाए और देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत झारखंड के श्रमिकों की पूरी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं, रोजगार सृजन कार्यक्रमों, कौशल विकास प्रशिक्षण, नियोजन सेवाओं और श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विशेष पहल करने

का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में हेल्पलाइन सेंटर स्थापित करने, श्रमिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और ई-श्रम पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों तक विभाग की सीधी पहुंच होनी चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में उनकी सहायता की जा सके। प्रवासी श्रमिकों की सुविधा के लिए झारखंड राज्य प्रवासी सुलभ सहायता योजना के तहत नोएडा, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई में प्रवासी सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ये केंद्र अन्य राज्यों और विदेशों में कार्यरत श्रमिकों को सहायता उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने श्रमिक निबंधन अभियान को तेज करने का निर्देश देते हुए कहा कि कैंप लगाकर श्रमिकों का पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने मनरेगा श्रमिकों के निबंधन, सुरक्षा किट, हेलमेट, जूते और ग्लव्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़े, इसके लिए मजबूत प्लेसमेंट व्यवस्था विकसित की जाए। बड़ी कंपनियों के विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त पेशेवरों के अनुभव का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने की भी रूपरेखा तैयार करने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड की पहचान केवल श्रमिक आधारित राज्य के रूप में नहीं बल्कि आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। पलायन रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने और श्रमिकों के सत्यापन की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया गया।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धनबाद आईटीआई से प्रशिक्षित होकर जबलपुर में कार्यरत सूरज कुमार और लोहरदगा के मोजाइक स्किल ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर पुणे में कार्यरत अनिमा कुमारी से बातचीत कर उनकी कार्य स्थितियों और रोजगार अनुभवों की जानकारी ली। दोनों ने प्रशिक्षण के बाद बेहतर रोजगार मिलने पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में उर्वरकों की भरपूर उपलब्धता : कृषि मंत्री

उर्वरक माफियाओं पर सख्त कार्रवाई, 29 एफआईआर, 208 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में किसानों के लिए उर्वरकों की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 30 जून 2026 तक राज्य में 2.40 मीट्रिक टन यूरिया, एक मीट्रिक टन डीएपी, 1.25 मीट्रिक टन एनपीके और 0.55 मीट्रिक टन एसएसपी की जरूरत है जबकि 3 जून 2026 तक राज्य में 3.76 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.54 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.38 लाख मीट्रिक टन एनपीके तथा 1.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। मंत्री मीठापुर स्थित कृषि विभाग में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री रोकने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है। उर्वरक दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है और अनियमितता की सूचना मिलने पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष 3 जून 2026 तक अनियमितता के विरुद्ध 29 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 208 प्रतिष्ठानों के उर्वरक प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। इन कार्रवाइयों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल लगातार शिकायतों की जांच कर रहा है। राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा जमाखोरी संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रखंडवार उर्वरकों का उप-आवंटन स्थानीय आवश्यकता एवं आच्छादन के आधार पर किया जाए तथा प्रतिष्ठानों के पॉस मशीन में प्रदर्शित स्टॉक और भौतिक स्टॉक का नियमित सत्यापन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में उर्वरकों की अवैध निकासी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। जिलावार कार्रवाई की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि पूर्वी चंपारण में 323 दुकानों की जांच में 18 दुकानों में अनियमितता पाई गई जिनमें 8 दुकानदारों पर प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 5 की अनुज्ञप्ति रद्द की गई। पश्चिम चंपारण में 343 दुकानों की जांच के दौरान 25 दुकानों में अनियमितता मिली जिनमें 1 प्राथमिकी दर्ज की गई और 3 लाइसेंस रद्द किए गए। वहीं सीतामढ़ी में 590 दुकानों के निरीक्षण में 46 दुकानों में अनियमितता पाई गई जिनमें 2 प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 7 लाइसेंस रद्द किए गए। श्री सिन्हा ने बताया कि सीमावर्ती 7 जिलों में कुल 2,573 दुकानों का निरीक्षण किया गया जिनमें 275 दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके परिणामस्वरूप 19 प्राथमिकी दर्ज की गईं, 123 दुकानों की अनुज्ञप्ति रद्द की गई तथा 85 दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया। कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंत्री समेत अन्य ने की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जन संपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार समेत अन्य प्रमुख नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर बुधवार को मुलाकात की। मंत्री के साथ बिहार विधानसभा में जदयू के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ संजय गांधी, जिला परिषद एवं पंचायती राज समिति के सभापति दुलालचंद्र गोस्वामी, आश्वासन समिति के सभापति पन्ना लाल पटेल और आवास समिति के सभापति नागेंद्र चन्द्रवंशी ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी जन प्रतिनिधियों ने विधानसभा की विभिन्न समितियों के सभापति पद का दायित्व सौंपे जाने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। सभी नव मनोनित जन प्रतिनिधियों ने विश्वास दिलाया कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जबाबदेही के साथ निभाउंगा। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की सेवा, विकास, कार्यों की निगरानी तथा लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण में विधानसभा के समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सभी प्रतिनिधि अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

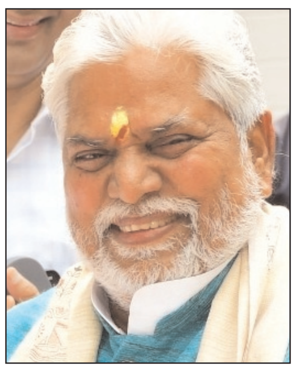

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह दिवस हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस की आधिकारिक घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून 1972 को की गई थी। इसके बाद वर्ष 1973 से इसे मनाने की शुरुआत हुई। यह दिवस प्रदूषण, जनसंख्या विस्फोट, वैश्विक तापन, सतत विकास और वन्यजीव अपराध जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण मानव जीवन के अस्तित्व, विकास और समृद्धि के मूल आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित पारिस्थितिकी तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता नहीं है, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लेने की अपील की।

आग से मरीजों की मृत्यु पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में आग लगने से हुई मरीजों की मृत्यु एवं अनेक लोगों के घायल होने की दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हृदयविदारक घटना से वे अत्यंत मर्माहत हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा सभी शोकाकुल परिवारों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने इस घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है।

केवाइपी के नवीनीकरण एवं नामांकन जल्द शुरू होने के संकेत : डॉ. आनन्द रंजन झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनन्द रंजन झा एवं राकेश सिन्हा ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से मुलाकात कर बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम के नवीनीकरण, नए नामांकन एवं योजना के भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि केवाईपी केंद्रों के नवीनीकरण एवं नए नामांकन में हो रही देरी के कारण राज्यभर के हजारों प्रशिक्षण केंद्र, कर्मचारी एवं विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन की ओर भी उनका ध्यान आकृष्ट कराया गया जिसमें योजना को पूर्ववत जारी रखते हुए शीघ्र नवीनीकरण एवं नामांकन प्रारंभ करने की मांग की गई थी। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कुशल युवा कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं अब अंतिम चरण में हैं तथा केंद्रों के नवीनीकरण एवं नए नामांकन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है तथा केवाईपी योजना राज्य के युवाओं के लिए पूर्ववत संचालित होती रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम ने बिहार के लाखों युवाओं को डिजिटल साक्षरता, संवाद कौशल एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार इस महत्वपूर्ण योजना को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। मुलाकात के उपरांत डॉ. आनन्द रंजन झा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन से बिहार के हजारों केवाईपी केंद्र संचालकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शीघ्र ही नवीनीकरण एवं नए नामांकन को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी जिससे कौशल विकास की प्रक्रिया पुनः गति पकड़ेगी और युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। राकेश सिन्हा ने कहा कि केवाईपी केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। सरकार द्वारा शीघ्र निर्णय लिए जाने से राज्य के लाखों युवाओं को लाभ मिलेगा तथा कौशल विकास मिशन के उद्देश्यों को नई गति मिलेगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने 25 स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने भीषण गर्मी को देखते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता को विद्युत उपभोक्ताओं के लिए निर्बाध एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति करने हेतु कटिहार नगर के लगभग 25 स्थानों पर नया बीएसएस सहित विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया है। विशेष रूप से खाद फैक्ट्री के पास गांधीनगर में, लाल कोठी में लॉ कॉलेज के नजदीक, ड्राइवर टोला, रामपाड़ा में पेट्रोल पंप के नजदीक, वायरलेस गली, गामी टोला में वरदान बैंक्विट के नजदीक, हाई स्कूल पाड़ा, डीएस कॉलेज, विजन स्टूडियो के नजदीक, सलामत नगर, बड़ा बाजार नया टोला, मिरचाईबाड़ी, ललियाही, अमला टोला, बिनोदपुर एवं उन सभी स्थानों पर जहां विद्युत अधिभार अधिक है वहां नया ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिन मुहल्लों से फ्यूज कॉल की शिकायतें लगातार आ रही है वैसे तमाम स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

औद्योगिक क्रांति को नई रफ्तार 16 परियोजनाओं व 7 होटलों को मिली स्वीकृति

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 1000 करोड़ की लागत से 3 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर होंगे सृजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में औद्योगिक क्रांति को उद्योग विभाग की तरफ से नई रफ्तार प्रदान किया जा रहा है। बुधवार को उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा व आएडा कुंदन कुमार की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक पीसीसी की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें बिहार के औद्योगिक विकास के लिए 1000 करोड़ के निवेश से राज्य भर में 16 परियोजनाओं व 7 होटल (4 स्टार व 5 स्टार) का निर्माण किया जायेगा। विभाग द्वारा मिली स्वीकृति के अनुसार इन औद्योगिक इकाइयों व होटलों से राज्य में 3,200 रोजगार के नये अवसर का विस्तार होगा। वहीं बुधवार को बियाडा की परियोजना समाशोधन समिति की बैठक में 16 परियोजनाओं व 7 होटल प्रस्ताव के लिए 31.78 एकड़ भूमि भी आवंटित की गई जिसके लिए प्रस्तावित परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में 992.63 करोड़ के निवेश का अनुमान है। इन परियोजनाओं से 3,146 लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि नई औद्योगिक परियोजनाओं से बिहार के आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार व कौशल आधारित नए अवसर सृजित होंगे। बिहार सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने के साथ राज्य को आधुनिक औद्योगिक व विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा व आएडा कुंदन कुमार ने कहा कि राज्य सरकार संतुलित व समावेशी औद्योगिक विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। बियाडा के माध्यम से पारदर्शी व समयबद्ध प्रक्रिया के तहत निवेशकों को औद्योगिक भूखंड उपलब्ध कराये जा रहे हैं। वहीं समिति द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में खाद्य प्रसंस्करण, राइस मिल, पीइबी स्ट्रक्चर निर्माण, स्टील रूफिंग शीट निर्माण, गारमेंट्स, कॉटन विक व अगरबत्ती निर्माण, करुगेटेड पेपर निर्माण और जनरल मैन्युफैक्चरिंग जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। ये इकाइयां राज्य के अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित की जायेगी जिनमें फतुहा, बैजनाथपुर, गोरौल, समस्तीपुर, डोनार, मरंगा, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र व हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया शामिल है।

'मिशन 5 घंटे' योजना राज्य के विकास को नई गति दे रही : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य व पथ निर्माण मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सुशासन में बिहार पथ निर्माण विभाग 'मिशन 5 घंटे' योजना राज्य के विकास को नई गति दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा जिसकी नींव पूर्व में रखी गई, उसे सीएम सम्राट चौधरी एक नए आयाम पर ले जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक योजना की नींव आज एक वटवृक्ष समान विकास की नई अवधारणा बन चुकी है। योजनान्तर्गत राज्य के सबसे सुदूर जिले से भी राजधानी पटना तक का सफर अधिकतम 5 घंटे में पूरा करने के लिए सड़कों को चौड़ा और सुगम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पथ निर्माण विभाग की हालिया उच्चस्तरीय समीक्षा के अनुसार राज्य के सभी जिला मुख्यालयों को फोरलेन सड़कों से जोड़ा जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि 2026 तक बिहार के किसी भी जिले से पटना मात्र 5 घंटे में पहुंचा जा सके। कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन चालू होने से उत्तर बिहार-पटना की दूरी 60 किमी कम होगी। बख्तियारपुर-ताजपुर पुल से समस्तीपुर-बेगूसराय से पटना केवल 1.5 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। पूर्णिया से पटना अब 6-7 घंटे नहीं बल्कि 3 घंटे में, किशनगंज से 8-9 घंटे नहीं, 4.5 घंटे में सफर पूरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से बिहार को 5 एक्सप्रेसवे की भी सौगात मिली है।

प्लेसमेंट नहीं तो ग्रेडिंग नहीं, प्राचार्यों के लिए मंत्री का सख्त संदेश

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी ने की प्राचार्यों संग बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ बेहतर रोजगार के अवसर भी राज्य में ही उपलब्ध कराए जाएंगें। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा जिससे वे अन्य राज्यों की ओर पलायन न करें और बिहार प्रतिभा एवं अवसर दोनों का केंद्र बन सके। उक्त बातें विभाग की मंत्री शीला कुमारी ने गुरुवार को विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों व राजकीय पॉलिटेकनिक संस्थानों के प्राचार्यों के साथ समीक्षात्मक बैठक में कही। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभियंत्रण महाविद्यालयों एवं पॉलिटेकनिक संस्थानों में एक सक्रिय प्लेसमेंट सेल की स्थापना की जाए। भविष्य में प्राचार्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और ग्रेडिंग, संस्थानों के प्लेसमेंट रिकॉर्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर की जाएगी। प्लेसमेंट गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कमियों को सुधारने और विद्यार्थियों के नियोजन अवसरों में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने कहा।

विद्यार्थियों को कराया जाएगा एक्सपोजर विजिट्स

मंत्री ने आगे विद्यार्थियों को नियमित एक्सपोजर विजिट्स आयोजित करने पर विशेष बल दिया। कहा कि केवल डिग्री देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके लिए मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे एवं अन्य प्रमुख औद्योगिक और तकनीकी केंद्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संस्थानों को सक्रिय प्रयास करने होंगे। मंत्री शीला कुमारी ने बिहार में तकनीकी शिक्षा के व्यापक विस्तार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व और योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सोच और संकल्प के परिणामस्वरूप आज तकनीकी शिक्षा बिहार के लगभग प्रत्येक जिले तक पहुंच चुकी है। अभियंत्रण संस्थानों में लगभग 10 रुपये प्रतिमाह और पॉलिटेकनिक संस्थानों में लगभग 5 रुपये प्रतिमाह की नाममात्र की शुल्क व्यवस्था राज्य सरकार की छात्र-केंद्रित नीतियों का परिचायक है। विभाग के सचिव हिमांशु शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को वर्तमान स्तर से और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। मौके पर अपर सचिव-सह-निदेशक, डीएसटीटीई अहमद महमूद, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) सूर्यकांत वर्मा, कुलपति, एसबीटीई के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, मंत्री के आप्त सचिव पुरुषोत्तम कुमार सहित विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मिला नया प्रशिक्षण केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेनप्लस ने राज्य के पहले अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर की शुरुआत की है। इस सेंटर के माध्यम से बिहार और पूर्वी भारत के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स, मेडिकल छात्रों तथा इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स को अब उन्नत इमरजेंसी केयर प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि लंबे समय से स्वास्थ्यकर्मियों को एडवांस इमरजेंसी केयर सर्टिफिकेशन के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब वैश्विक मानकों की ट्रेनिंग पटना में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल जीवनरक्षक कौशल विकसित करेगी, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार और करियर के नए अवसर भी पैदा करेगी। सेंटर में बेसिक लाइफ सपोर्ट, एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट, हार्टसेवर फर्स्ट एड, सीपीआर-एईडी और इंस्ट्रक्टर प्रोग्राम समेत कई एएचए प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इससे अस्पतालों, एम्बुलेंस सेवाओं और मेडिकल संस्थानों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार होंगे। इस नई पहल से बिहार के साथ-साथ झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पूर्वी भारत के अन्य राज्यों के स्वास्थ्यकर्मियों को भी लाभ मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पटना स्वास्थ्य शिक्षा और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर सकेगा।

रोबोटिक तकनीक से की गई दुनिया की सबसे लंबी हृदय टेली-सर्जरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत की विकसित रोबोटिक तकनीक और भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर में एक मरीज के हृदय की सफल रोबोटिक टेली-सर्जरी कर चिकित्सा इतिहास में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। करीब 20000 किलोमीटर की दूरी से की गई यह सर्जरी दुनिया की अब तक की सबसे लंबी दूरी की रोबोट-सहायित कार्डियक टेली-सर्जरी मानी जा रही है। यह ऐतिहासिक प्रक्रिया गुयाना के जॉर्जटाउन पब्लिक हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन और भारत के आइआरसीएडी इंडिया, इंदौर के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि सर्जरी पूरी तरह भारत में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से की गई जिसने भारत को वैश्विक रोबोटिक सर्जरी क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि एसएसआई मंत्रा और उससे जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मदद से गुयाना में रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञों की नई पीढ़ी तैयार होगी और देश कैरेबियाई क्षेत्र में चिकित्सा नवाचार का केंद्र बन सकेगा। वहीं एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक के संस्थापक और सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि 20000 किलोमीटर की रिकॉर्ड दूरी पर सफल कार्डियक टेली-सर्जरी यह साबित करती है कि भविष्य में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे मरीज तक सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल विशेषज्ञता पहुंचाई जा सकती है।

खरीफ मौसम को लेकर किसानों के लिए कर्मशाला आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि विभाग की ओर से खरीफ मौसम में फसलों की उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को इनपुट तथा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विहित अनुदान सुलभता से उपलब्ध कराने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु 5 जून को राज्यस्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन बामेती, पटना में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए लक्ष्य का निर्धारण एवं उसकी प्राप्ति हेतु प्रशासनिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी क्षमता के विकास पर जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। राज्य स्तरीय कर्मशाला के उपरांत 8 जून को सभी जिला मुख्यालय में कृषि विभाग से जुड़े पदाधिकारियों/इनपुट विक्रेताओं/प्रगतिशील किसानों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को नवीनतम तकनीकी जानकारी, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम, मोटे अनाज की खेती, मक्का की खेती, बेबी कॉर्न/स्वीट कॉर्न, दलहन की खेती, प्याज की खेती, जीरो टिलेज एवं धान की सीधी बुवाई, विभिन्न फसलों की जैविक खेती, खरीफ मौसम में उगायी जाने वाले अन्य फसलों की खेती, कृषि यांत्रीकरण, कृषि में ड्रोन का प्रयोग पर प्रशिक्षित किया जायेगा। अभियान को जमीनी स्तर पर उतारने हेतु 10 जून से 25 जून, 2026 तक सभी प्रखण्ड मुख्यालयों में प्रशिक्षण-सह-उपादान वितरण कार्यक्रम चलाया जायेगा। कृषि विभाग द्वारा इस महाभियान के तहत संकर धान, संकर मक्का, वेबीकॉर्न, स्वीटकॉर्न, अरहर एवं मोटे अनाज यथा रागी, सांवा, रामदाना के प्रमाणित बीज अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जायेगा। अभियान को जमीनी स्तर पर उतारते हुए 05 जून से 22 जून, 2026 तक सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रशिक्षण-सह-उपादान वितरण कार्यक्रम चलाया जाएगा जहां चयनित किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण देने के साथ-साथ अनुदान पर खरीफ फसलों के बीज वितरित किए जाएंगे। खरीफ महाभियान को हर गांव तक पहुंचाने के लिए 25 जून से 20 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक पंचायत स्तर पर कृषि जन कल्याण चौपाल लगाई जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण : सनातनवादी विकास बनाम भौतिकवादी विनाश

– डॉ. भारत प्रकाश सुनेजा

आज सम्पूर्ण विश्व पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर और चुनौतीपूर्ण समस्या से जूझ रहा है। हमारे चारों ओर ऐसे अनेक तत्व और गतिविधियाँ दिखाई देती हैं, जो प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ प्रकृति के सुंदर संतुलन को भी निरंतर बिगाड़ रहे हैं। दुर्भाग्यवश, इन समस्याओं की रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयास अत्यंत सीमित प्रतीत होते हैं। जिस प्रकार किसी भी गंभीर रोग का उपचार उसके मूल कारणों को समझे बिना संभव नहीं होता, उसी प्रकार पर्यावरण प्रदूषण रूपी इस विकराल समस्या का समाधान भी तभी संभव है, जब हम इसके मूल कारणों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करें। 'मानव सभ्यता' और 'विकास' आदिकाल से एक दूसरे के अभिन्न पूरक रहे हैं। सनातन धर्म में विकास और भौतिकवादी विकास दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। भारतीय सनातन परम्परा, भौतिक विकास को कभी नहीं नकारती किन्तु उसे जीवन का अंतिम लक्ष्य मानने के स्थान पर आध्यात्मिक उत्थान का माध्यम मानती है। प्रस्तुत लेख में विकास की इन्ही अवधारणाओं का संक्षेप में विवेचन करते हुए यह प्रयास किया गया है कि पर्यावरण प्रदूषण की मूल जननी कहीं न कहीं अनियंत्रित भौतिकवादी विकास ही है। साथ ही, यह लेख भारत की प्राचीन संस्कृति, परम्पराओं, संस्कारों, पारिवारिक मूल्यों एवं रीति-रिवाजों की महत्ता को रेखांकित करते हुए सतत एवं संतुलित विकास की दिशा में उनके योगदान को प्रस्तुत करता है। आशा है कि यह लेख पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता उत्पन्न करने के साथ-साथ इसके निवारण हेतु व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर अपनाए जा सकने वाले उपायों पर सार्थक चिंतन को भी प्रेरित करेगा।

सनातनवादी विकासः पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है कि चारों ओर से वरण अथवा आवरण अथवा भरण करना। वैदिक विचारधारा के अनुसार, पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) ही जीवन का आधार है जो सह-अस्तित्व का भाव लिए समस्त जीवों की आवश्यकताओं की पूर्ती करते हुए, सम्पूर्ण जैव मंडल को एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच भी प्रदान करते हैं। किन्तु हम प्रकृति से प्राप्त संरक्षण और सुरक्षा को तथाकथित विकास की आड़ में निरंतर नष्ट करने में लगे हुए हैं। सनातनवादी विकास, प्रकृति का शोषण नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य बिठाने पर जोर देता है। सनातन संस्कृति यह सिखाती है कि भौतिक विकास बुरा नहीं है लेकिन उस विकास में 'संयम' और 'नैतिकता' (धर्म) का होना अनिवार्य है। बिना धर्म के भौतिकवादी विकास विनाश का कारण बनता है।

भौतिकवादी विकासः हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि विगत कुछ सदियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव ने अभूतपूर्व प्रगति करते हुए विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं और उद्देश्य मात्र यह रहा कि कैसे मानव जीवन को सुविधाजनक एवं विलासिता पूर्ण बनाया जावे। किंतु विडम्बना यह रही कि इस लक्ष्य को अर्जित करने की चाह में हम आँखे मूँदे, विकास की इस अंधी दौड़ में शामिल हो बैठे। हमने दिन प्रतिदिन शोधित, नवीनतम तकनीक को तथाकथित विकास का एक सरल माध्यम बना डाला लेकिन यह सब करते समय, उससे होने वाले प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग, पारिस्थितिक असंतुलन जैसे सम्भावित गम्भीर दुष्परिणामों को नज़रंदाज़ किया। हमने प्रकृति द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य संसाधनों का बेतहाशा दोहन किया किंतु इस प्रक्रिया में अपनी जीवनदायिनी धरती माँ की पीड़ा को अनुभव करने का प्रयास नहीं किया। परिणामस्वरूप आज सम्पूर्ण विश्व प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और मानव सभ्यता स्वयं को इनके समक्ष असहाय अनुभव कर रही है। संभवतः यही कारण है कि भौतिकवादी त्वरित विकास की इस निरंतर दौड़ में विकास शब्द के साथ अनजाने में 'विनाश' शब्द भी जुड़ता चला गया। परिणाम स्वरुप समाज के हर वर्ग ने, उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों में मानवता, ईमानदारी, गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से समझौता करना आरम्भ कर दिया। जिसकी परिणिति के, आज आप और हम सभी साक्षी हैं। अतः अभी भी वक्त है कि हम समय रहते अपनी त्रुटियों को पहचानें और समाज के प्रत्येक क्षेत्र में उनका समुचित समाधान खोजने का सम्मिलित प्रयास करें ।

(लेखक राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर एवं डीन हैं)

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के

जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण है कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्ज़ा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए। दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चौथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं है। यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

एक नजर

बीयर जब्त, शराब तस्कर गिरफ्तार

रजौली (नवादा)। रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव के खदान के समीप से उत्पाद बलों ने लगातार तीसरे दिन एक शराब तस्कर को 72 केन बियर के साथ हिरासत में लिया है। साथ ही शराब परिवहन में जुटे अपाचे बाइक को जब्त किया है। उत्पाद बलों द्वारा की जा रही कार्रवाई के बाद चितरकोली एवं आसपास के शराब तस्करों में भय का माहौल व्याप्त है। चितरकोली गांव जांच चौकी से तुरंत सटा हुआ गांव है और शराब तस्कर झारखंड के कोडरमा से जांच चौकी को बाईपास करने के उद्देश्य से गांव होकर तस्करी करते हैं। किंतु उत्पाद बलों की पैनी नजरें और सूचना तंत्र के मजबूत होने के कारण लगातार तीन दिनों से शराब तस्करी में जुटे लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया जा रहा है। इसके पूर्व टोटो और स्विफ्ट कार से भी शराब जब्त की गई थी,जिसमें तस्कर चितरकोली गांव का था। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध को लेकर उत्पाद बलों के सहयोग से जांच चौकी पर झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है। इस जांच अभियान का नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं। गुप्त सूचना के आलोक में उत्पाद एएसआई पंकज कुमार साव ने चितरकोली के खदान क्षेत्र से एक अपाचे बाइक पर लदे 500 एमएल वाले 72 केन बियर को बरामद किया है। साथ शराब तस्करी में जुटे एक विधि निरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त बियर एवं बाइक के अलावे विधि निरुद्ध बालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। साथ ही कहा कि विधि निरुद्ध बालक को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस मौके पर उत्पाद एएसआई मो. सबीर के अलावे गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

शीतला तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

बिहारशरीफ। दीपनगर थाना क्षेत्र के मघड़ा स्थित शीतला तालाब में एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। तालाब के पानी में शव उपलाता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दीपनगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को तालाब से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ मॉडल सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि पानी में लंबे समय तक रहने के कारण शव पूरी तरह से डीकंपोज हो चुका है। प्रथम दृष्टया अनुमान है कि व्यक्ति की मौत करीब दो दिन पूर्व हुई होगी। मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रही है। इसके अलावा आसपास के सभी थानों को भी सूचना भेजी गई है, ताकि मृतक के परिजनों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल शव की पहचान और मामले की जांच पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से छानबीन कर रही है।

डिग्री कॉलेज संचालन की तैयारियों का एसडीओ ने लिया जायजा

हिलसा (नालंदा)। आगामी 1 जुलाई से प्रस्तावित डिग्री कॉलेज संचालन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल ने गुरुवार को करायपरसुराय प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय मखदूमपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा अभियान) मोहम्मद शहनवाज, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी करायपरसुराय तथा प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी अमरेंद्र सिन्हा मौजूद थे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार के निर्देशानुसार डिग्री कॉलेज संचालन की तैयारियों की समीक्षा करना था। एसडीओ ने संबंधित अधिकारियों को महाविद्यालय संचालन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, रंग-रोगन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को शीघ्र दुरुस्त करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पुस्तकों के समुचित रख-रखाव नहीं मिलने पर एसडीओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय प्रधान से इस संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर की चहारदीवारी निर्माण की मांग रखी। एसडीओ ने संबंधित विभाग को मामले से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। एसडीओ अमित कुमार पटेल ने कहा कि 1 जुलाई से डिग्री कॉलेज का संचालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी।

हर्ष राज गुप्ता ने जेईई एडवांस में पाई सफलता

पकरीबरावां। पकरीबरावां बाजार निवासी जयप्रकाश प्रसाद गुप्ता के पौत्र एवं संजीत गुप्ता एवं रंजू गुप्ता के पुत्र हर्ष राज गुप्ता ने जेईई एडवांस में सफलता हासिल कर पकरीबरावां प्रखण्ड का नाम रौशन किया है। उसे ओबीसी एनसीएल में 11774 रैंक प्राप्त हुआ है। उसकी सफलता पर परिवार के लोग काफी खुश है। परिवार वालों ने बताया कि वह बचपन से ही पढ़ने में काफी तेज रहा है। उसकी सफलता पर उसके शिक्षक ने उसे एप्पल का आईपैड देकर सम्मानित किया है। वह अपनी सफलता का श्रेय माता, पिता, परिवार के सदस्यों एवं गुरुजनों को देते हैं। हर्ष ने बताया कि कठिन परिश्रम से सफलता हासिल की जा सकती है।

लाभार्थियों तक समयबद्ध पहुंचे योजनाओं का लाभ : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। 4 जून 2026 को जिला परिषद सभाकक्ष, नवादा में जिला परिषद अध्यक्षा पुष्पा देवी की अध्यक्षता में जिला परिषद की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बैठक के प्रारंभ में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पेयजल आपूर्ति, कृषि, पशुपालन, मत्स्य, विद्युत, सड़क निर्माण, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, बाल विकास परियोजना सहित अन्य विकासात्मक योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति से सदन को अवगत कराया गया। समीक्षा के उपरांत जिला परिषद सदस्यों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्यों, आधारभूत संरचनाओं, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, पेयजल एवं सड़क संबंधी समस्याओं के समाधान तथा सरकारी योजनाओं से वंचित पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, नवादा नीलिमा साहू ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला परिषद सदस्यों द्वारा बैठक में उठाए गए मुद्दों एवं जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विकास कार्यों की नियमित निगरानी, क्षेत्रीय निरीक्षण तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें, ताकि आम जनता को योजनाओं का अपेक्षित लाभ प्राप्त हो सके। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिला परिषद स्थानीय विकास की एक महत्वपूर्ण इकाई है तथा जनप्रतिनिधियों के सुझाव एवं सहयोग से विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि बैठक में लिए गए निर्णयों एवं दिए गए निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विधायक, रजौली विमल राजवंशी, विधान पार्षद अशोक यादव, जिला परिषद उपाध्यक्षा निशा कुमारी, जिला परिषद के सभी सदस्यगण, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा चलाएगी विशेष पौधारोपण अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत बूथ स्तर पर व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर गुरुवार को भाजपा बिहारशरीफ नगर उत्तरी मंडल की मासिक बैठक बबुरबन्ना मुहल्ला स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार ने की, जबकि मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री अमरेश कुमार ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे माह चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान वृक्षारोपण, जनसंपर्क अभियान, स्वच्छता अभियान, योग कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं के बीच फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया और उन्हें अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक का संचालन नगर महामंत्री मोनू कुमार ने किया। जिला मंत्री अमरेश कुमार ने कहा कि 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत देशभर में पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया गया और अब तक 140 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

अनुश्रवण समिति की बैठक में राशन, जाम व गैस एजेंसियों की शिकायतें उठीं

हिलसा (नालंदा)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अनुमंडल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को एसडीओ अमित कुमार पटेल की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति सदस्यों ने शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं जन वितरण प्रणाली से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अनियमितताओं पर विस्तार से चर्चा की। सदस्यों ने राशन वितरण में अनियमितता, लाभुकों को समय पर अनाज नहीं मिलने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा उठाया। जन वितरण प्रणाली की दुकानों के लंबे समय तक बंद रहने और अत्यधिक भीड़ के कारण लाभुकों को होने वाली परेशानियों पर भी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में हिलसा शहर की गंभीर जाम समस्या भी प्रमुखता से उठी। सदस्यों ने कहा कि प्रशासन द्वारा बनाए गए नए ट्रैफिक नियमों का समुचित पालन नहीं हो रहा है। बसों का संचालन निर्धारित स्टैंड के बजाय पुराने स्थानों से होने के कारण शहर में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके अलावा गैस एजेंसियों द्वारा निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलने तथा होटलों में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग की शिकायतें भी सामने आईं। इस पर एसडीओ अमित कुमार पटेल ने संबंधित विभागों को सभी शिकायतों की तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सूर्य नारायण देव मंदिर कोर कमेटी की बैठक, 2027 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। नगर पंचायत रजौली स्थित राज शिव मंदिर, नीचे बाजार परिसर में श्री सूर्य नारायण देव मंदिर कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंदिर की आय-व्यय, विकास कार्यों की समीक्षा और कमेटी विस्तार पर चर्चा हुई। मंदिर समिति के अध्यक्ष संदीप वर्मा ने लेखा-जोखा पेश किया। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल 2023 को सूर्य मंदिर का भूमि पूजन किया गया था। 11 जनवरी 2024 तक ढलाई कार्य पूर्ण होने तक कुल आय 13 लाख 23 हजार 871 रुपये हुई, जबकि खर्च 15 लाख 06 हजार 228 रुपये रहा। इससे समिति 1 लाख 82 हजार 357 रुपये घाटे में रही। संदीप वर्मा ने बताया कि 1 मार्च 2024 से 30 दिसंबर 2025 तक ओडिशा के कारीगरों द्वारा मंदिर के

दो गुंबदों का निर्माण, डिजाइन कार्य, गर्भगृह निर्माण, 21 मूर्तियों का निर्माण तथा संपूर्ण मंदिर का प्लास्टर कार्य कराया गया। इस अवधि में 9 लाख 60 हजार 130 रुपये खर्च हुए, जबकि आय 7 लाख 68 हजार 145 रुपये हुई। वर्तमान में समिति पर 1 लाख 91 हजार 985 रुपये का बकाया ऋण है। बैठक में छठ पूजा समिति के अध्यक्ष राजा सिंह की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से मंदिर कमेटी का विस्तार किया गया। राजा सिंह को उपाध्यक्ष, राहुल कुमार साव को कोषाध्यक्ष, सुमित कुमार बिट्टू को उपकोषाध्यक्ष तथा संदीप कुमार बाना को लेखापाल चुना गया। मंदिर समिति के सचिव मनीष सिंह ने कहा कि नगरवासियों के सहयोग से जिले का एक भव्य एवं अनूठा सूर्य मंदिर बनाने का सपना साकार किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 तक मंदिर निर्माण कार्य लगभग पूर्ण कर लिया जाएगा।

सचिव अरबिंद विश्वकर्मा ने बताया कि जल्द ही मंदिर के मुख्य शिखर एवं सूर्य भगवान के सिंहासन का निर्माण भी ओडिशा के कुशल कारीगरों द्वारा कराया जाएगा। इस दौरान वार्ड संख्या-6 के प्रतिनिधि सुमित सिंह ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। बैठक में छठ पूजा समिति के सचिव अरुण साव, उपकोषाध्यक्ष गौतम ताती, सुरक्षा प्रमुख नवीन कंधवे, जय राम सिंह, राजेश कुमार, बिनय कुमार, राहुल पांडेय, अनुज भदानी, गुड्डू साहू, सुभाष साव, पिंटू चौधरी, कनक सेठ, श्याम सुंदर पांडेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कृषि भूमि संरक्षण के लिए जिले में चला 'खेत बचाओ अभियान'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। खेत बचाओ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं किसानों के बीच व्यापक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला कृषि कार्यालय में जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार ने की। बैठक का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, हरनौत की वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान डॉ. सीमा कुमारी, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान उमेश नारायण उमेश, उप निदेशक (कृषि अभियंत्रण) अभिमन्यु कुमार, सहायक निदेशक (शस्य) भूमि संरक्षण भुदेव राणा सहित कई कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके अलावा कृषि कर्मी, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, प्रगतिशील किसान, खाद विक्रेता तथा

विभिन्न खाद आपूर्तिकर्ता कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार ने कहा कि कृषि भूमि, मृदा स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि खेत बचाओ अभियान कृषि के सतत विकास और किसानों की समृद्धि से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसके माध्यम से किसानों को मृदा संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण, फसल अवशेष प्रबंधन और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों और कृषि कर्मियों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के असंतुलित उपयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है, जिससे उत्पादन क्षमता घटती है। किसानों को मृदा जांच, फसल चक्र, हरी खाद, जैविक खाद निर्माण, सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग तथा वर्षा जल संरक्षण की तकनीकों के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही बदलती जलवायु परिस्थितियों में कृषि उत्पादन को सुरक्षित रखने के लिए वैज्ञानिक सलाह और नई तकनीकों को अपनाने पर बल दिया गया। बैठक में कृषि कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे गांव स्तर पर किसान चौपाल, प्रशिक्षण कार्यक्रम और जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से खेत बचाओ अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा प्रत्येक किसान तक इसकी जानकारी पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कृषि संबंधी विभिन्न समस्याओं और सुझावों को भी रखा, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान प्रस्तुत किया।

बीस सूत्री बैठक का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नारदीगंज,नवादा। प्रखंड के उजला भवन में बीस सूत्री की बैठक अध्यक्ष जयराम प्रसाद कुशवाहा की अध्यक्षता व बीडीओ सोनिया ढनढनियां के संचालन में हुई। बैठक में बीडीओ, सीओ, शिक्षा व कृषि पदाधिकारी उपस्थित हुए, जबकि पंचायती राज पदाधिकारी और स्वच्छता कोऑर्डिनेटर समेत अन्य के अनुपस्थित रहने पर उनके खिलाफ कार्रवाई व स्पष्टीकरण का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में पूर्व की कार्यवाही का विवरण न मिलने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई। सदस्य प्रिय रंजन सिंह ने पंचायती राज विभाग के आदेश (संख्या 4660) का हवाला देते हुए बीडीओ पर सरकारी राशि की बंदरबांट और स्वच्छता कार्य में भारी लूट का आरोप लगाया। इस पर अध्यक्ष ने आपूर्ति और कृषि समेत सभी सरकारी विभागों की जांच के लिए एक कमेटी गठित की। साथ ही, पारित प्रस्तावों की प्रति सात दिनों के भीतर जिलाधिकारी और विभागीय सचिव को भेजने का निर्देश दिया। वहीं भीषण गर्मी को देखते हुए विभाग को बंद पड़े नल-जल और खराब चापाकलों को तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया गया। उपाध्यक्ष अशोक कुमार उर्फ बबलू ने पेश पंचायत में पांच साल से कार्य न होने और बिना आम सभा के योजनाएं पास करने का मुद्दा उठाया। बैठक में इचुआकरना व कोशला पंचायत के कार्यों का प्रपत्र मांगने के साथ एफसीआई गोदाम व स्थायी बस स्टैंड निर्माण की मांग की गई। पूर्व सांसद प्रतिनिधि कृष्णदेव सिंह ने पशुपालन की समस्याएं रखीं। मौके पर सदस्य विपिन कुमार, चुन्नी देवी, नीतू देवी, अनीश कुमार व अन्य मौजूद रहे।

युवक की संदेहास्पद मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत स्थित न्यू सिंगर गांव में एक युवक की मौत संदेहास्पद रूप से हो गई। मृतक युवक की पहचान न्यू सिंगर गांव निवासी प्रदीप राजवंशी के 20 वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रंजीत की तबीयत बुधवार की शाम से बिगड़ने लगी। जब गुरुवार को तबीयत ज्यादा खराब हुई, तो परिजनों ने झाड़-फूंक के लिए एक ओझा को बुलाया। ओझा ने युवक की गम्भीर हालत को देखकर उसने सर्पदंश की बात कहकर परिजनों को इलाज हेतु अस्पताल में इलाज करवाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन बीमार पड़े युवक को सुबह 8 बजे रजौली अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। अस्पताल में मौजूद चिकित्सक डॉ. बरकत अली ने रंजीत कुमार की जांच कर मृत घोषित कर दिया। रंजीत के मृत होने की खबर सुनते ही परिजनों में मातम पसर गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि रंजीत की शादी बीते छः माह पूर्व हुई थी और अभी उसकी पत्नी गर्भवती है। ग्रामीणों ने कहा कि बच्चे के जन्म के पहले ही उसके ऊपर से पिता का छाया हट गया। बताते चलें कि इससे पूर्व बीते 22 मई को ककोलतिया जंगल में लकड़ी बीनने गई हरदिया के कचहरियाडीह निवासी नरेश राजवंशी के 17 वर्षीय पुत्री ललती कुमारी की मौत सर्पदंश से हुई थी। किंतु परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम के लिए इंकार कर दिया गया। इससे मृतक परिजनों के परिजनों को मुआवजा की राशि नहीं मिल सकी। इस संबंध में सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि हरदिया के एक युवक की मौत की सूचना मिली है। परिजनों द्वारा सांप के काटने से हुई मौत बता रहे हैं। सीओ द्वारा परिजनों को मृतक रंजीत कुमार का पोस्टमार्टम करवाने एवं प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो पाएगा कि युवक के मौत के पीछे का क्या कारण है। सीओ ने कहा कि सर्पदंश से मौत पर सरकार द्वारा चार लाख रुपए का मुआवजा आश्रित परिजन को दिया जाता है।

स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार

राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं अस्पतालों में सीनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के टेन्योर पदों पर नियुक्ति के लिए पैनल निर्माण हेतु आवश्यक सूचना

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-BCECEB/Health(SR)/2026/07 दिनांक- 04.06.2026

विज्ञापन संख्या-BCECEB/Health(SR)/2026/06 दिनांक 29.05.2026 के क्रम में सर्वसाधारण एवं सम्बन्धित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं अस्पतालों में सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के टेन्योर (तीन वर्षीय) पदों पर नियुक्ति हेतु पर्षद के वेबसाईट पर Eligible एवं Not Eligible अभ्यर्थियों की विषयवार Point wise औपबंधिक सूची उपलब्ध कराई गयी थी और सूचित किया गया था कि उम्मिदवार को उक्त सूची में यदि कोई आपत्ति है तो वे साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति पर्षद कार्यालय में दिनांक 31.05.2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। **निर्धारित अवधि में प्राप्त आपत्ति के निराकरण के पश्चात् अंतिम रूप से विषयवार Point wise अभ्यर्थियों की सूची तथा Not eligible अभ्यर्थियों की सूची पर्षद के वेबसाईट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दी गयी है।**

अग्रेत्तर कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना द्वारा सम्पन्न की जायेगी।

नोडल पदाधिकारी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस, ग्रोथ सेंटर, बियाडा, जसोइया, औरंगाबाद (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।

संपादक - कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेलः nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com
झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865
दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.[LE])-2026/04 दिनांक- 04.06.2026

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] – 2026
[D.E.C.E. (L.E.)-2026] के परीक्षाफल से सम्बन्धी आवश्यक सूचना

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश)-2026 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों, सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.05.2026 को आयोजित डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश)-2026 [डी.ई.सी.ई.(एल.ई.)-2026] का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।

2. **DECE(LE)-2026 के परीक्षाफल के आधार पर पात्रता-प्राप्त सभी अभ्यर्थी पर्षद के उक्त Website पर जाकर "Rank Card of DECE(LE)-2026" Link पर Click करने के बाद अपना Roll No. एवं जन्म तिथि डालकर अपना Rank Card Download कर प्राप्त कर लें।**

3. **Online कॉउन्सेलिंग कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी।**

परीक्षा नियंत्रक

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2026/05 दिनांक- 04.06.2026

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2026
Industrial Training Institute Competitive Admission Test (I.T.I.C.A.T.)-2026

परीक्षाफल से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2026 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों, सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.05.2026 को आयोजित ITICAT-2026 का Open / District wise पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।

2. अभ्यर्थी पर्षद के उक्त Website पर जाकर "Rank Card of ITICAT-2026" Link पर Click करें। तत्पश्चात् एक नया Page प्रदर्शित होगा जिसमें Open / District wise अभ्यर्थियों का Rank Card Download करने हेतु अलग-अलग निम्नलिखित link

- View / Download **District wise Rank Card of ITICAT-2026**
- View / Download **Open Merit Rank Card of ITICAT-2026** प्रदर्शित होगा।

अभ्यर्थी अपने District / Open Merit Rank के link पर click करने के बाद अपना Roll No. एवं जन्म तिथि डालकर अपना Rank Card Download कर प्राप्त कर लें।

3. **Online Counselling कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी ।**

परीक्षा नियंत्रक

श्वेत क्रांति से सशक्त हो रहा ग्रामीण भारत, दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर किसान बनें आत्मनिर्भर : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। परैया प्रखंड स्थित बुकनारी दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड द्वारा आयोजित छठा बोनस वितरण समारोह गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और दुग्ध उत्पादक किसानों के बीच बोनस राशि का वितरण किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित इस समारोह में समिति से जुड़े 179 दुग्ध उत्पादक किसानों के बीच कुल 90,910.38 की बोनस राशि वितरित की गई। सर्वाधिक बोनस प्राप्त करने वाले किसानों में राजू यादव को 4,478 तथा संतोष यादव को 3,245.68 की राशि प्रदान की गई। बोनस प्राप्त कर किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भारत में श्वेत क्रांति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है और आज दुग्ध उत्पादन किसानों की आय का एक मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, उसी प्रकार श्वेत क्रांति ने गांवों में रोजगार, आय वृद्धि और महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने किसानों से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा सहकारिता के माध्यम से आर्थिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, पशुपालन को प्रोत्साहित करने तथा दुग्ध क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियां ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने किसानों को सुधा दाना एवं मिनरल मिक्सचर के नियमित उपयोग, पशुओं के नस्ल सुधार तथा वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर पशु प्रबंधन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने समिति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि आज ग्रामीण महिलाएं दुग्ध उत्पादन और संग्रहण कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल परिवार की आय बढ़ा रही है, बल्कि सहकारिता आंदोलन को भी मजबूती प्रदान कर रही है। वर्तमान में समिति से लगभग 200 किसान जुड़े हुए हैं जिनमें 90 से अधिक महिला सदस्य शामिल हैं। समिति द्वारा प्रतिदिन लगभग 400 लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है जो क्षेत्र में दुग्ध व्यवसाय की बढ़ती संभावनाओं का संकेत है। कार्यक्रम में मगध दुग्ध संघ के चेयरमैन जितेंद्र कुमार, प्रबंध निदेशक हेमेन्द्र कुमार, पशु चिकित्सक डॉ. आराधना, प्रशिक्षण प्रभारी जितेंद्र कुमार, जिला प्रभारी मंटू कुमार, रागिनी कुमारी, रंजिता कुमारी सहित बड़ी संख्या में पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक किसान उपस्थित रहे। समारोह के अंत में किसानों ने बोनस वितरण पर खुशी व्यक्त करते हुए समिति के उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन के निरंतर विस्तार की कामना की। कार्यक्रम ने श्वेत क्रांति, सहकारिता और ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति किसानों के बढ़ते विश्वास को प्रतिबिंबित किया।

निफ्ट में गया का जलवा: कला संस्कार के सभी छात्र सफल

जारा फातिमा देश की टॉप रैंकर्स में शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। कभी डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों तक सीमित समझे जाने वाले गया के छात्रों ने अब फैशन और डिजाइन की दुनिया में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। शहर के गेवाल बिगहा स्थित कला संस्कार संस्थान ने इस बार निफ्ट प्रवेश परीक्षा में ऐसा प्रदर्शन किया है जिसने पूरे जिले को गौरवान्वित कर दिया है। संस्थान से परीक्षा में शामिल सभी 30 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल कर 100 प्रतिशत रिजल्ट दिया है। सबसे बड़ी उपलब्धि संस्थान की छात्रा जारा फातिमा के नाम रही जिन्होंने पूरे देश में ऑल इंडिया रैंक (एआइआर)-6 हासिल कर गया का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। वहीं ओमांशी अग्रवाल (एआइआर-11), आस्था प्रिया (एआइआर-39), आन्वी (एआइआर-64), रिया (एआइआर-91), सुमेधा (एआइआर-94) और सत्यम (एआइआर-99) ने भी टॉप-100 में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

गया से निकलेंगे फैशन इंडस्ट्री के नए सितारे

संस्थान के संस्थापक राजेश राठौर ने बताया कि इस वर्ष 30 विद्यार्थियों ने निफ्ट प्रवेश परीक्षा में भाग लिया था और सभी ने सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि गया जैसे शहर में फैशन शिक्षा के बढ़ते दायरे और युवाओं के बदलते सपनों की कहानी है।

मेहनत, मार्गदर्शन और जुनून का परिणाम

राजेश राठौर ने कहा कि छात्रों की लगन, शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाया है। अब ये छात्र देश के प्रतिष्ठित निफ्ट कैंपसों में दाखिला लेकर फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन, स्टाइलिंग और फैशन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाएंगे।

गया की नई पहचान बन रहा फैशन एजुकेशन

एक समय था जब बड़े शहरों के छात्रों का दबदबा निफ्ट जैसी परीक्षाओं में देखा जाता था, लेकिन अब गया के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कला संस्कार के इस शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी महानगर की मोहताज नहीं होती। छात्रों की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवारों में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे गया जिले में गर्व की भावना है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और गया को फैशन शिक्षा के मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाएगी।

पैक्स चुनाव : चिताबकला, गोपालपुर और बार पंचायतों में नए अध्यक्षों का चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड क्षेत्र में संपन्न पैक्स चुनाव के मतगणना परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए गए। परिणामों की घोषणा होते ही विजयी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। विभिन्न क्षेत्रों में समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया। चिताबकला पंचायत में हुए मुकाबले में जितेंद्र यादव ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी रेणु देवी को 60 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की। मतगणना में जितेंद्र यादव को 256 मत प्राप्त हुए जबकि रेणु देवी को 195 वोट मिले। जीत की घोषणा के बाद उनके समर्थकों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। वहीं शेरघाटी नगर परिषद क्षेत्र के गोपालपुर पैक्स में राहुल कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। राहुल कुमार को कुल 557 मत प्राप्त हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राधेश्याम सिंह को 308 तथा दीपक कुमार को 64 मत मिले। राहुल कुमार ने राधेश्याम सिंह को 249 मतों के बड़े अंतर से हराकर जीत हासिल की। बार पंचायत में भी चुनावी मुकाबला दिलचस्प रहा। यहां सुबोध सिंह ने 537 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की जबकि नितिन कुमार को 227 मत मिले। सुबोध सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 300 मतों के भारी अंतर से पराजित कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी स्नेहिल आनंद ने परिणामों की आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि गोपालपुर नगर परिषद क्षेत्र से राहुल कुमार, चिताबकला पंचायत से जितेंद्र यादव तथा बार पंचायत से सुबोध सिंह विजयी घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्सव का माहौल बना रहा।

स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान की समीक्षा

'एक पेड़ मां के नाम' को जन आंदोलन बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच (गया)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत गुरुवार को कोंच प्रखंड मुख्यालय सभागार में 'स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान' की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ विपुल भारद्वाज ने की। बैठक में सभी पंचायतों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने, पौधारोपण, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण तथा स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता एक-दूसरे के पूरक हैं तथा जनभागीदारी से ही अभियान को सफल बनाया जा सकता है। इस दौरान ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, घर-घर कचरा संग्रहण, सूखा-गीला कचरा पृथक्करण और जनजागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में मुखिया संघ अध्यक्ष शिवकुमार चौहान, मुखिया प्रतिनिधि मो इंतेशाब समेत पंचायत प्रतिनिधि, स्वच्छता पर्यवेक्षक, पंचायत सचिव एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

कोंच प्रखंड में 6697 लोगों के राशन कार्ड से नाम कटे, गरीब परिवारों की बढ़ी चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच (गया)। कोंच प्रखंड में राशन कार्ड से 6697 लोगों का नाम कट जाने के बाद गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की चिंता बढ़ गई है। लोगों को इसकी जानकारी तब हुई जब वे जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों पर राशन लेने पहुंचे। डीलरों द्वारा लाभुक सूची से नाम हटाए जाने की सूचना मिलने के बाद विभिन्न पंचायतों में हड़कंप मच गया है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे मजदूरी और सरकारी राशन के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ऐसे में राशन कार्ड से नाम कट जाने के कारण उनके सामने खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया है। कठौतिया गांव निवासी वीरेंद्र नाथ किशोर ने बताया कि वे दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार चलाते हैं और राशन बंद होने से आर्थिक एवं सामाजिक परेशानियां बढ़ गई हैं। प्रखंड आपूर्ति कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार काबर पंचायत में 628, अदई में 253, खजुरी में 436, गरारी में 144, असलेमपुर में 138, आंती में 218, उतरैन में 228, तिनेरी में 285, सिमरा में 381, श्रीगांव में 287, परसावां में 459, मंझियावां में 941, कुरमावां में 243, कोराप में 428, कोंच पंचायत में 343, केर में 393, गौहरपुर में 399 तथा चबूरा पंचायत में 493 लोगों के नाम राशन कार्ड सूची से हटाए गए हैं। नाम कटने से प्रभावित ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि पात्र लाभुकों के नाम शीघ्र पुनः नहीं जोड़े गए तो अनेक परिवारों के समक्ष गंभीर खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर पात्र लाभुकों का नाम पुनः जोड़ने तथा राशन वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की मांग की है। प्रखंड क्षेत्र में बड़ी संख्या में राशन कार्ड से नाम हटने का मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है और प्रभावित परिवार प्रशासन की पहल का इंतजार कर रहे हैं।

जीतन राम मांझी पर रोड़ेबाजी मामले का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खिजरसराय। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पर खिजरसराय में हुए रोड़ेबाजी हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के मुख्य आरोपी मनीष यादव को जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र स्थित गराई बीघा गांव से गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री एक निजी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे, तभी उन पर रोड़ेबाजी की गई थी। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों को हिरासत में लिया था जबकि मुख्य आरोपी फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार मनीष यादव अपनी पहचान छिपाकर एक रिश्तेदार के घर रह रहा था जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है और हमले के पीछे किसी साजिश या अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है। खिजरसराय थाना पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन महिला चोर गिरफ्तार

गयाजी। गयाजी रेलवे स्टेशन पर रेल सुरक्षा बल, सीआईबी और जीआरपी की संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत गुरुवार को 3 महिला चोरों को गिरफ्तार किया। उनके पास से विभिन्न कंपनियों के तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 35,000 रुपए है। यह कार्रवाई रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। यह कार्रवाई गुरुवार को प्लेटफॉर्म संख्या 1ए पर सिग्नल नंबर डीएस-72 के पास नियमित गश्ती और निगरानी अभियान के दौरान हुई। संयुक्त टीम में आरपीएफ गया से उप निरीक्षक विकास कुमार, प्रधान आरक्षी विवेकानंद शर्मा, महिला प्रधान आरक्षी इंदु सिन्हा, आरक्षी शशि शेखर, आरक्षी आलोक कुमार सक्सेना शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गढ़वा

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा मे0 रेवन्त इन्जीनियर्स, अशोक (JV), प्रो0–अंजनी सिंह, M-31/DS, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची, पिन नं0– 834002 को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पैकेज सं0– JH-P3-22-23-GAR-01-FDR अन्तर्गत पड़ने वाले पाँच पथों का FDR तकनीकी के तहत निर्माण कार्य कराया जा रहा है, उक्त कार्य को एकरारनामा के अनुसार कार्य प्रारम्भ की तिथि 13.10.2023 एवं कार्य पूर्णता की तिथि 12.06.2025 था, जो समय सीमा समाप्त होने के पश्चात् उपरोक्त पत्रों द्वारा सूचित करने के बावजूद भी आपके द्वारा निर्माण कार्य को पूर्ण नहीं कराया जा सका है, तथा वर्त्तमान में (1) MRL01-उदयपुर से रमकण्डा (2) T02-उदयपुर से गम्हरीया भाया चेटे पथ में आपके द्वारा FDR का कार्य छः माह पूर्व किया गया है, परन्तु कालीकरण का कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं कराया गया है, तथा (3) T01-सलैयादामर से मरदा भाया मदगड़ी जमौती पथ का कार्य में आपके Firm का Technical Staff एवं Site Engineer के नहीं रहने के कारण कार्य कार्य की गति संतोषप्रद नहीं है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि सात दिनों के अन्दर अवशेष कार्यो को प्राक्कलन में निहित प्रावधान एवं विशिष्टियों के अनुरूप प्रारम्भ करना सूनिश्चित करें, अन्यथा आपके द्वारा कराये गये कार्यो का संबंधित सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता द्वारा दिनांक 18.06.2026 को अंतिम मापी कराते हुए SBD में निहित प्रावधानों के तहत् आपका एकरारनामा को विखण्डित करते हुए जमानत की राशि को जप्त कर ली जायेगी, तथा आपका नाम कालीसूची में दर्ज करने हेतु उच्चाधिकारीयों को सूचित करना अधोहस्ताक्षरी की बाध्यता होगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होगें।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0का0वि0, कार्य प्रमंडल, गढ़वा

PR 381550 Rural Work Department (26-27)_D

208 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज के गठन का समाजसेवी मोहम्मद अबरार आलम ने किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बिहार के 208 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज के गठन का साहित्यकार व समाजसेवी मोहम्मद अबरार आलम ने स्वागत किया और कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। साहित्यकार से शिक्षाविद अबरार आलम ने बिहार के सभी नव पदस्थापित डिग्री कॉलेज में उर्दू भाषा की पढ़ाई शुरू करने की मांग की है। साथ ही साथ कहा है कि बिहार राज्य की द्वितीय राजभाषा उर्दू है इसे नजरअंदाज करना कहीं से भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार सभी को अपनी भाषा में शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार है किसी के अधिकार का हनन भाषा शैली विचार और व्यवहार के आधार पर नहीं होना चाहिए।

प्रखंड मुख्यालय में पेड़ चोरी से हरियाली पर संकट

एक वर्ष में 50 से 60 कीमती शीशम के पेड़ गायब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। विश्व पर्यावरण दिवस पर जहां वृक्ष संरक्षण और हरियाली बढ़ाने की बातें हो रही हैं, वहीं कोंच प्रखंड मुख्यालय परिसर में पेड़ चोरी की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले एक वर्ष में परिसर से 50 से 60 कीमती पेड़ जिनमें अधिकांश शीशम के थे, गायब हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि लगातार हो रही अवैध कटाई से परिसर की हरियाली प्रभावित हो रही है। इस संबंध में बीडीओ बिपुल भारद्वाज ने बताया कि पेड़ चोरी रोकने के लिए नए सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई है। साथ ही गिरे हुए पेड़ों और लकड़ियों को सुरक्षित स्थान पर रखकर निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और सख्त करने का आश्वासन दिया है।

शपथ पत्र

मैं चन्दन कुमार पिता बिनय कुमार गुप्ता उम्र- 38 वर्ष निवासी ग्राम-बारह पत्थर पो. डिहरी थाना-डिहरी, जिला-रोहतास (बिहार) शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूं। मेरे नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा डिहरी में एक पॉलिसी नं. 513932459 चलता है जिसमें मेरा नाम चन्द्र प्रकाश गुप्ता दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड नं. 2970 8314 2656 में मेरा नाम चन्दन कुमार दर्ज है एवं मेरे बंधन बैंक शाखा-डिहरी के खाता नं.- 50200027959205 में भी मेरा नाम चन्दन कुमार दर्ज है। मैं उपरोक्त दोनों नाम चन्द्र प्रकाश गुप्ता एवं चन्दन कुमार दोनों नामों का एक ही व्यक्ति हूं।
मैं समाज में चन्द्र प्रकाश गुप्ता एवं चन्दन कुमार दोनों नामों से जाना एवं पहचाना जाता हूं।
उपरोक्त बयान मेरे जानकारी व विश्वास में सही व सत्य है।

शपथकर्ता
चन्दन कुमार

ओझा बताकर बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। ओझा बताकर एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात नशे में धुत दर्जनों की संख्या में लोगों ने बुजुर्ग के घर में घुसे और उसे घसीटकर बाहर निकाला। इसके बाद बेरहमी से पिटाई की। इस दौरान सिर पर भी हमला किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत के बाद बदमाशों ने उसके दोनों हाथ काट दिए और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सोहैपुर पंचायत के बंधुआ गांव के शांति नगर टोला की है। मृतक की पहचान राजेंद्र मांझी (62) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रेलवे ट्रैक से शव बरामद किया है। शव से 500 मीटर दूर दोनों हाथ मिले हैं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ऐतिहासिक नेयामतपुर आश्रम का प्रवेश द्वार तोड़े जाने पर निंदा प्रस्ताव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। पंडित यदुनंदन शर्मा सेवा आश्रम ट्रस्ट की सदस्यों की बैठक ऐतिहासिक नेयामतपुर आश्रम परिसर के स्वामी सहजानन्द सरस्वती सभागार में संपन्न हुई जिसमें एनएचएआई द्वारा एनएच 22 के विस्तारीकरण कार्य के दौरान ऐतिहासिक नेयामतपुर आश्रम के प्रवेश द्वार को तोड़े जाने व निर्माण कार्य नहीं कराए जाने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। ट्रस्ट के संयोजक रविशंकर कुमार ने बताया कि केंद्र और राज्य ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की घोषणा की है, लेकिन सरकार के अधिकारियों पर उसका कोई असर होता हुआ नहीं दिख रहा है। वर्ष 2021 में एनएचएआई ने बिना कोई सूचना के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और जमींदारी उन्मूलन का केंद्र रहा ऐतिहासिक नेयामतपुर आश्रम का प्रवेश द्वार तोड़ दिया जिसके पुनर्निर्माण के वर्ष 2022 से लगातार गया के जिलाधिकारी और एनएचएआई के डाइरेक्टर को आवेदन दिया जा रहा है। हाल में भी 18 मई को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर को आवेदन पत्र दिया है। स्थानीय विधायक मनोरमा से इसके लिए पहल करने की अपील की है, लेकिन अब तक सकारात्मक पहल समाने नहीं है जिससे लोगों में नाराजगी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

1.ई0–निविदा संख्या– EE/RDSD/Palamau/F2-01/2026-27 (3rd Call)

S. No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1	3	4	5	6	7
1	पलामू जिला के प्रखंड पांकी के पंचायत माड़न के ग्राम अहीर गुरहा में श्री रमेश उरांव (दुकान) के घर से अखड़ा होते हुए श्रीमती राजपति टोप्पो के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1343600.00	26900	2500	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 08.06.2026 (05:00 अपराह्न से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 08.06.2026 (अपराह्न 5:00 बजे से दिनांक 13.06.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 15.06.2026 अपराह्न 3:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल पलामू।

PR 381495 Rural Development(26-27)D

संपादकीय

बालेन का बयान सियासी नासमझी

नेपाल के युवा प्रधानमंत्री और पूर्व में मशहूर रैपर रहे बालेन शाह द्वारा भारत और नेपाल द्वारा एक दूसरे की जमीन कथित अतिक्रमण और उसे सुलझाने को लेकर जिस तरह का विवादित बयान दिया है, वह यही साबित करता है कि उनमें राजनीतिक परिपक्वता की बेहद कमी है। शाह के बयान से जहां खुद नेपाल में भारी खलबली मची वहीं भारत ने उनके बयान और सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया है। कहा था कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की ज़मीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की ज़मीन पर अतिक्रमण किया है।दोनों पक्षों को बैठकर इस मामले को देखना चाहिए। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि नेपाल पहले ही भारत को एक आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है और उसे जवाब भी मिल चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल ने सीमा विवाद को लेकर चीन और यूनाइटेड किंगडम के साथ भी कूटनीतिक स्तर पर चर्चा की है।प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर अपनी अधिकृत प्रतिक्रिया में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा के कुछ हिस्से को लेकर मसले हैं, जिनको सुलझाना बाक़ी है। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने भारत-नेपाल सीमा के संबंध में नेपाल के पीएम के बयान और उनके विदेश मंत्रालय की टिप्पणी को सुना है। हालांकि भारत-नेपाल सीमा के 98 प्रतिशत हिस्से का निर्धारण हो चुका है लेकिन फिर भी कुछ हिस्सों में कुछ मसले हैं, जिनको सुलझाया जाना बाक़ी है। गंडक नदी के बहाव में परिवर्तन की वजह से ये स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके अतिरिक्त सीमा के निर्धारित हिस्सों में सीमा पार कब्ज़े और नो मैंस लेंड पर अतिक्रमण के मामले भी हैं, जिसका संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है। हमने सीमा संबंधित सभी मामलों से निपटने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं। सभी संबंधित पक्षों को ये स्पष्ट होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच जो भी द्विपक्षीय मामले हैं उनमें किसी भी तरह से किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।'' यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि शाह ने भारत नेपाल सीमा मसले को सुलझाने के लिए ब्रिटेन और चीन की मदद लेने की बात कही थी, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। उधर बालेन के बयान से खुद नेपाल में बवाल मच गया है। वहां के राजनीतिक दलों और सोशल मीडिया यूज़र्स द्वारा बालेन शाह की तीखी आलोचना की जा रही है। नतीजतन नेपाल के विदेश मंत्रालय को पीएम के बयान पर सफ़ाई देनी पड़ी है। कई नेपाली राजनयिकों ने कहा कि बालेन शाह के इस बयान ने कालापानी, लिम्पियाधुरा और सुस्ता पर नेपाल के दावे को कमज़ोर कर दिया है। वहीं दक्षिण एशिया मामलों के जानकार प्रोफ़ेसर एसडी मुनि ने प्रधानमंत्री बालेन शाह की साफ़गोई की तारीफ़ की है। मुनि ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री बालेन शाह इस बात को साहस के साथ स्वीकार करने के लिए बधाई के पात्र हैं कि भारत-नेपाल सीमा विवाद एकतरफ़ा नहीं है। नदी के मार्ग में बदलाव के कारण नेपाल सुस्ता क्षेत्र में भारतीय भूभाग पर बैठा हुआ है।' हालाँकि, उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की कोशिश न करने की सलाह दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जेन जी आंदोलन के बाद बीती पांच मार्च को हुए चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने प्रतिनिधि सभा में लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल कर बालेन शाह के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। लेकिन इस सरकार ने सत्ता में आते ही कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिन पर उंगलियां उठ रही हैं।

डिजिटल युग में नेटवर्क से नेचर तक

हर हाथ में एक पौधा, हर कैप्शन में धरती बचाने का संकल्प और हर स्टोरी में हैशटैग। यह दृश्य अब हर 5 जून की पहचान बन चुका है। लेकिन सवाल यह है कि जो पौधा मोबाइल के कैमरे के सामने लगाया गया, क्या वह अगले 5 जुलाई तक जिंदा भी रहता है? डिजिटल युग ने हमें जोड़ने का काम किया है, पर क्या इस जुड़ाव ने हमें सचमुच नेचर से जोड़ा है या सिर्फ नेचर की तस्वीरों से? यह सवाल आज सबसे जरूरी है क्योंकि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां हर चीज डेटा, एल्गोरिदम और स्क्रीन पर चलती है, और उसी स्क्रीन पर हम पर्यावरण को भी बचाते हुए दिखते हैं।

निरंजन कुमार

पर्यावरण दिवस आते ही सोशल मीडिया पर हरे-भरे पौधों की तस्वीरें बाढ़ की तरह उमड़ पड़ती हैं। हर हाथ में एक पौधा, हर कैप्शन में धरती बचाने का संकल्प और हर स्टोरी में हैशटैग। यह दृश्य अब हर 5 जून की पहचान बन चुका है। लेकिन सवाल यह है कि जो पौधा मोबाइल के कैमरे के सामने लगाया गया, क्या वह अगले 5 जुलाई तक जिंदा भी रहता है? डिजिटल युग ने हमें जोड़ने का काम किया है, पर क्या इस जुड़ाव ने हमें सचमुच नेचर से जोड़ा है या सिर्फ नेचर की तस्वीरों से? यह सवाल आज सबसे जरूरी है क्योंकि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां हर चीज डेटा, एल्गोरिदम और स्क्रीन पर चलती है, और उसी स्क्रीन पर हम पर्यावरण को भी बचाते हुए दिखते हैं। तकनीक और प्रकृति का रिश्ता विरोधाभासी रहा है। एक तरफ नेटवर्क ने हमें ग्लोबल वार्मिंग, पिघलते ग्लेशियर और विलुप्त होती प्रजातियों की जानकारी रियल टाइम में दी। नासा के क्लाइमेट चेंज पोर्टल से लेकर इसरो के सैटेलाइट मैप तक, आज आम आदमी भी देख सकता है कि सुंदरबन हर साल कितना सिकुड़ रहा है या दिल्ली की एक्यूआई कब 400 पार कर जाती है। गूगल अर्थ इंजन पर कोई भी किसान अपने खेत के पास पिछले 30 साल में हुए जंगल के बदलाव को देख सकता है। एआई मॉडल अब जंगलों में आग लगने की भविष्यवाणी 3 दिन पहले कर देते हैं और ड्रोन से बीज बोने का काम 10 गुना तेजी से हो रहा है। तेलंगाना सरकार ने 2022 में एआई और ड्रोन की मदद से 50 लाख सीड बॉल्स गिराए, जिनमें से लगभग 40त्न अंकुरित हुए। यह तकनीक का वह चेहरा है जो सचमुच नेचर तक पहुंचता है। लेकिन दूसरी तरफ यही नेटवर्क दिखावे का सबसे बड़ा मंच भी बन गया है। पर्यावरण दिवस पर एक दिन का पौधारोपण अभियान चलाना, फोटो खींचना, पोस्ट करना और भूल जाना अब एक पैटर्न बन चुका है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगाए गए कुल पौधों में से केवल 60 से 65त्न ही तीन साल बाद तक जीवित बचते हैं। शहरी क्षेत्रों में यह दर और गिरकर 40त्न तक आ जाती है। कारण साफ है÷पौधा लगाना इवेंट है, बचाना प्रक्रिया। प्रक्रिया में पानी देना, खाद, जानवरों से सुरक्षा और निराई-गुड़ाई शामिल है, जो कैमरे के दायरे से बाहर है। एआई युग में यह दिखावा और भी शातिर हो गया है। अब एआई जेनरेटेड जंगल की तस्वीरें, डीपफेक वीडियो में हरियाली और फिल्टर से हरे किए गए बैकग्राउंड पोस्ट करके लोग पर्यावरण प्रेमी होने का सर्टिफिकेट ले लेते हैं। जबकि हकीकत यह है कि एक घंटे की वीडियो स्ट्रीमिंग लगभग 55 ग्राम कार्बन उत्सर्जन करती है और एक एआई मॉडल को ट्रेन करने में कई घरों की सालभर की बिजली खर्च हो जाती है। विभिन्न शोध अध्ययनों के अनुसार जीपीटी -3 जैसे बड़े लैंग्वेज मॉडल को ट्रेन करने में 552 टन कार्बन डाइऑक्साइड निकला, जो 123 पेट्रोल कारों के सालभर चलने के बराबर है। यानी जिस फोन से हम पेड़ लगाने की सेल्फी डालते हैं, उसी फोन का डेटा सेंटर कहीं न कहीं एक पेड़ काटने के बराबर कार्बन पैदा कर रहा है। इसको समझने के लिए हमें नियम और कानून की जमीन पर भी उतरना होगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। वन संरक्षण अधिनियम 1980 के तहत किसी भी जंगल की जमीन को गैर-वानिकी कार्य के लिए बदलने से पहले केंद्र की अनुमति जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 केंद्र को किसी भी क्षेत्र में प्रदूषण रोकने के लिए नियम बनाने की शक्ति देता है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 ने पर्यावरण से जुड़े मामलों के तेजी से निपटारे के लिए अलग न्यायालय बनाया। 2023 में लाया गया वन संरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 ने जंगल की परिभाषा को और स्पष्ट किया, हालांकि कुछ पर्यावरणविदों ने इसके दुरुपयोग की आशंका भी जताई। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम 2016 और उसके 2022 के संशोधन ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई। ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 ने इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों पर उनके उत्पाद के निपटान की जिम्मेदारी डाली, जिसे श्व्क्क्र यानी एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी कहते हैं। इन कानूनों के बावजूद जमीन पर पालन एक चुनौती है। हत्त्र में 2023 में ही पर्यावरण उल्लंघन के 3000 से ज्यादा मामले दर्ज हुए। इसका मतलब कानून हैं, पर निगरानी और नीयत में कमी है। अब जब एआई युग में हम हैं तो कानूनों को भी डिजिटल होना पड़ेगा। कैमरा आधारित सर्विलांस से जंगलों की कटाई पकड़ी जा सकती है। ढ्ढस्क्रह्र का भूवन पोर्टल पहले ही सैटेलाइट से अवैध खनन ट्रैक कर रहा है। ब्लॉकचेन तकनीक से हर लगाए गए पेड़ को एक यूनिक डिजिटल आईडी दी जा सकती है, जिससे उसकी जियो-टैग लोकेशन, लगाने की तारीख और बाद की ग्रोथ फोटो समय-समय पर अपलोड हो। अगर 6 महीने तक कोई अपडेट नहीं आया तो सिस्टम खुद अलर्ट जारी कर दे। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में वन विभाग ने ÷वृक्ष लागवड ट्रैकर ऐप÷ शुरू किया है जहां पौधा लगाने वाला व्यक्ति हर महीने फोटो अपलोड करता है। ऐसा मॉडल पूरे देश में लागू हो तो सोशल मीडिया की दिखावे वाली हरियाली की जगह असली हरियाली का डेटा मिलेगा। एआई यहां एक ऑडिटर की भूमिका निभा सकता है। सैटेलाइट इमेज से हर तिमाही में ग्रीन कवर की गणना करके यह बताया जा सकता है कि पिछले पर्यावरण दिवस पर लगाए गए 10 लाख पौधों में से कितने वास्तव में पेड़ बने। सच्चाई यह भी है कि डिजिटल कार्बन फुटप्रिंट अब नेचर के लिए नया खतरा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट और उससे जुड़े उपकरण वैश्विक बिजली का लगभग 7त्न इस्तेमाल करते हैं। हर गूगल सर्च से 0.2 ग्राम कार्बन निकलता है। हम दिन में 50 बार इंस्टाग्राम खोलकर पर्यावरण बचाने की रील देखते हैं, पर यह नहीं सोचते कि डेटा सेंटर को ठंडा रखने के लिए लाखों लीटर पानी रोज खर्च होता है। माइक्रोसॉफ्ट का एक डेटा सेंटर साल में 30 करोड़ लीटर पानी इस्तेमाल करता है। एआई चैटबॉट से 100 शब्द का जवाब मांगना सामान्य सर्च से 25 गुना ज्यादा ऊर्जा लेता है। तो क्या हम पर्यावरण दिवस पर पेड़ की फोटो डालकर उस कार्बन की भरपाई कर रहे हैं या सिर्फ अपराधबोध कम कर रहे हैं? इसका जवाब डेटा में छिपा है। एक नीम का पेड़ अपने जीवनकाल में लगभग 1 टन कार्बन सोखता है। एक औसत व्यक्ति का सालाना डिजिटल कार्बन फुटप्रिंट 400 किलो के आसपास है। यानी हर व्यक्ति को सिर्फ अपने फोन और लैपटॉप के कार्बन को निष्प्रभावी करने के लिए हर ढाई साल में एक पेड़ लगाना होगा और उसे 20 साल तक बचाना होगा। सोचिए, हम कितने पेड़ लगा रहे हैं और कितने बचा रहे हैं। समाधान कानून, तकनीक और व्यवहार तीनों के मेल में है। पहला, पर्यावरण दिवस को ÷प्लांटेशन डे÷ की जगह ÷एडॉप्शन डे÷ बनाया जाए। पेड़ लगाना नहीं, पेड़ गोद लेना और अगले 5 साल तक उसकी जिम्मेदारी लेना अनिवार्य हो। स्कूल, कॉलेज और कॉरपोरेट में इसे केआरए से जोड़ा जाए। दूसरा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ÷ग्रीन वेरिफिकेशन÷ बैज शुरू हो जो सिर्फ उन पोस्ट को मिले जिनमें जियो-टैग, टाइम-स्टैम्प और 3 महीने बाद की अपडेट फोटो हो। बिना सबूत की हरियाली को लाइक और रीच मिलना बंद हो। तीसरा, डिजिटल स्वच्छता को पर्यावरण शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को बताया जाए कि अनावश्यक मेल डिलीट करना, क्लाउड पर डुप्लीकेट फोटो हटाना और वीडियो को 480पी पर देखना भी पर्यावरण सेवा है। हर बड़ी टेक कंपनी को अपने सर्वर से हुए सालाना कार्बन उत्सर्जन के बराबर पेड़ लगाने और उनके 5 साल के ऑडिटेड सर्वाइवल का डेटा सार्वजनिक करना अनिवार्य हो। नेटवर्क ने हमें नेचर की बदहाली दिखाई, अब उसी नेटवर्क को नेचर की वापसी का जरिया बनना होगा। एआईअगर समस्या का हिस्सा है तो समाधान का हिस्सा भी बन सकता है। पर यह तभी होगा जब हम स्क्रीन के पीछे की दुनिया को स्क्रीन पर दिखने वाली दुनिया से ज्यादा अहमियत देंगे। पर्यावरण दिवस एक दिन का उत्सव नहीं, 364 दिन की जिम्मेदारी है। पौधा लगाकर फोटो डाल देना प्रेम नहीं, पौधे के साथ सेल्फी की जगह उसके लिए पानी की बोतल ले जाना प्रेम है। डिजिटल युग में असली वायरल वही होगा जो जमीन पर हरा होकर दिखे, न कि सिर्फ फोन की गैलरी में। नेटवर्क से शुरू हुई यह यात्रा नेचर तक तब पहुंचेगी जब हम अपलोड से ज्यादा अपकीप पर ध्यान देंगे। क्योंकि प्रकृति को लाइक नहीं, देखभाल चाहिए और एआई के युग में सबसे बड़ा एल्गोरिदम नीयत का एल्गोरिदम है। यदि नीयत में हरियाली होगी, तो नेटवर्क अपने आप नेचर तक रास्ता बना लेगा।

(लेखक पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हैं)

अध्यात्म

मैं तो केवल भेष से साधू हूँ

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधु ने आनंद के लिए प्रार्थना की– भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधु की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला– अरे, महात्मा जी! जो है, यह भी नहीं रहने वाला। साधु आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधु आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधु का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधु की आँखों में आँसू थे। साधु कहने लगा– हे भगवान्! ये तूने क्या किया ?卐 आनंद पुन÷ हँस पड़ा और बोला– महाराज आप क्यों दुःखी हो रहे हैं? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधु मन ही मन सोचने लगा– मैं तो केवल भेष से साधु हूँ। सच्चा साधु तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधु फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधु ने आनंद से कहा– अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान् करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा– महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधु ने पूछा– क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद ने उत्तर दिया– हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा का अंश आत्मा। आनंद की बात को साधु ने गौर से सुना और चला गया। साधु कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तु कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। कह रहा है आसमां यह समां कुछ भी नहीं। रो रही हैं शबनमें, नौरंगे जहाँ कुछ भी नहीं। जिनके महलों में हजारों रंग के जलते थे फानूस। झाड़ उनके कब्र पर, बाकी निशां कुछ भी नहीं। साधु कहता है– अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दुःख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता।

विकास की ऐतिहासिक भूलें और एथेनॉल का संकट

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध, वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने दुनिया को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव के बीच भारत में इन दिनों 'एथेनॉल ब्लेंडिंग' (पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण) को ऊर्जा सुरक्षा के एक बड़े समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।पहली दृष्टि में यह पहल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयातित तेल पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होती है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, भूमि और खाद्य सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं?

निलेश देसाई

यदि विकास के इतिहास को समग्र दृष्टि से देखें तो एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आती है। जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए जल्दबाजी में कोई नई नीति लागू की गई, वह कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गई। आज एथेनॉल के संदर्भ में भी हमें इसी ऐतिहासिक अनुभव से सीखने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत के विकास इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ तत्कालीन समस्याओं के समाधान ने भविष्य में नई चुनौतियों को जन्म दिया।

हरित क्रांति – साठ और सत्तर के दशक में देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। रासायनिक उर्वरकों, संकर बीजों और अत्यधिक सिंचाई पर आधारित हरित क्रांति ने तत्कालीन भूख की समस्या का समाधान किया और भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। किंतु आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जैव विविधता के क्षरण, रासायनिक प्रदूषण और भूजल दोहन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे जा चुका है।

नलकूप क्रांति – किसानों को मानसून की अनिश्चितता से बचाने के लिए नलकूपों और भूजल आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित किया गया। कुछ दशकों बाद स्थिति यह है कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा दोहनकर्ता बन गया है और अनेक क्षेत्र 'डार्क ज़ोन' घोषित किए जा चुके हैं। आज एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी यही प्रश्न हमारे सामने खड़ा है। क्या हम ऊर्जा सुरक्षा की खोज में जल सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं?

आंकड़ों के पीछे छिपा जल संकट – भारत में वर्तमान में मुख्यतः पहली पीढ़ी (1 जी) के एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना, चावल और मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग किया जा रहा है। ये फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं। एक लीटर चावल आधारित एथेनॉल उत्पादन के लिए लगभग 10,790 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी खर्च होता है। एक लीटर मक्का आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है।भारत के अनेक राज्य पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे समय में पानी-गहन फसलों को ईंधन उत्पादन के लिए बढ़ावा देना दीर्घकालिक दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है।

जमीनी हकीकत- छोटे किसानों की आत्मनिर्भरता पर असर- भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है। एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और बाजार के आकर्षण ने खेती के स्वरूप में तेजी से बदलाव लाना शुरू कर दिया है।

खेती की विविधता का क्षरण – परंपरागत

रूप से किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप से अपनाता था। इससे परिवार की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती थी। आज नकदी फसलों और एकल खेती के विस्तार के कारण किसान स्वयं अपने भोजन के लिए बाजार पर निर्भर होता जा रहा है।

सामुदायिक सहयोग की परंपराओं का विघटन -ग्रामीण समाज में 'आदजी-पादजी' जैसी परंपराएं, जिनमें लोग एक-दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे, धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही हैं। यंत्रीकरण और व्यावसायिक खेती ने सामुदायिक संबंधों को कमजोर किया है।

बीज संप्रभुता का संकट – देशी बीजों की परंपरा लगातार कमजोर हो रही है। किसान अब बाजार आधारित संकर बीजों, रासायनिक उर्वरकों और बाहरी आदानों पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ती है और किसानों की ऋणग्रस्तता गहराती है।

भोजन बनाम ईंधन÷ एक उभरता हुआ संकट - एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर प्रश्न 'भोजन बनाम ईंधन' का है। जब उपजाऊ भूमि और खाद्य फसलें वाहनों के लिए ईंधन उत्पादन में लगाई जाएंगी, तो खाद्य सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि किसान अधिक लाभ के कारण दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर एथेनॉल हेतु उपयोगी फसलों की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को दालों और खाद्य तेलों के आयात पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में विडंबना यह होगी कि हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा देंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा लेंगे। इससे न तो वास्तविक आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी और न ही संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होगा।

आगे का रास्ता- समग्र दृष्टि की आवश्यकता

- ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे जल, भूमि और खाद्य सुरक्षा की कीमत पर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए कुछ वैकल्पिक और दूरदर्शी कदम आवश्यक हैं।
- एथेनॉल उत्पादन को कृषि अपशिष्ट, जैविक कचरे और दूसरी पीढ़ी (2 प्रतिशत) के बायोफ्यूल तक सीमित किया जाए।
- गांव स्तर पर विकेंद्रीकृत बायोगैस और जैव-ऊर्जा मॉडल विकसित किए जाएं।
- ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी और रागी जैसे कम पानी वाली मोटे अनाज की फसलों को प्रोत्साहित किया जाए।
- जल उपयोग, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों का समग्र मूल्यांकन किए बिना किसी भी विस्तारवादी नीति को लागू न किया जाए।
- नीति निर्माण में किसानों, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि या आयात बिल में कमी नहीं है। विकास वह है जो प्रकृति, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करे। इतिहास हमें बार-बार चेतावनी देता रहा है कि तात्कालिक लाभ के लिए बनाए गए समाधान, यदि समग्र दृष्टि के बिना लागू किए जाएं, तो भविष्य में गंभीर संकट का रूप ले सकते हैं।

एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी हमें यही सावधानी बरतनी होगी। अन्यथा आज जो ऊर्जा सुरक्षा का समाधान प्रतीत हो रहा है, वही कल जल संकट, खाद्य असुरक्षा और कृषि संकट के रूप में हमारे सामने खड़ा हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास को केवल उत्पादन और उपभोग के चश्मे से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों और प्रकृति के संतुलन की दृष्टि से भी देखें।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया जा रहा श्रम सार्थक होगा। विरोधी सक्रिय रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

वृषभ
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

कर्क
व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। संयम से काम लेना होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी, लेकिन दांपत्य जीवन में कुछ व्यवधान आ सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। नौकरी या व्यावसायिक चल रहा प्रयास सफलता की ओर अग्रसर होगा। परिवार से सहयोग मिलेगा।

तुला
बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक कार्यों में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। नए संबंध बनेंगे।

वृश्चिक
पारिवारिक महिला से तनाव मिलेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। भागदौड़ रहेगी। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

मकर
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कुंभ
आत्मविर्श्वास में वृद्धि होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। जीविका के क्षेत्र में आशातीत प्रगति होगी।

मीन
आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। संतान या शिक्षा के कारण तनाव रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। संयम से काम लें।

उलार सूर्य मंदिर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पूजा-अर्चना कर विकास कार्यों का लिया जायजा

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार गुरुवार को पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत दुल्हिनबाजार प्रखंड के उलार गांव स्थित ऐतिहासिक ओलार्क (उलार) सूर्य मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की तथा मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। मंदिर पहुंचने पर नीतीश कुमार ने सर्वप्रथम भगवान सूर्य के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर में संचालित विकास योजनाओं का जायजा लिया और कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिषद के महंत अवध बिहारी दास, पालीगंज एसडीएम चंदन कुमार, डीएसपी-1 राजीव चंद्र सिंह समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे। पूर्व मुख्यमंत्री के अचानक मंदिर पहुंचने की सूचना मिलते ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई। वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं श्रद्धालु भी उन्हें देखने के लिए मंदिर परिसर में जुट गए। राज्यसभा सांसद बनने के बाद नीतीश कुमार का उलार स्थित ऐतिहासिक ओलार्क सूर्य मंदिर का यह पहला दौरा था। मुख्यमंत्री रहते हुए भी वे कई बार इस मंदिर में आकर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में मंदिर को धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए बिहार सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा 15 करोड़ रुपये की विकास योजना स्वीकृत की गई थी। इसके तहत मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्य तेजी से संचालित हैं। साथ ही मंदिर को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोड़ने के लिए सूर्य मंदिर कॉरिडोर विकसित करने का भी निर्णय लिया गया है।

देश के प्रमुख सूर्य मंदिरों में शुमार है ओर्लाक सूर्य मंदिर

उलार स्थित ओर्लाक सूर्य मंदिर का धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है। मान्यता के अनुसार इस मंदिर की स्थापना भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र राजा शाम्ब ने कराई थी। देश के प्रमुख 12 सूर्य मंदिरों में इसकी गणना की जाती है। हर वर्ष चैती छठ और कार्तिक छठ के अवसर पर यहां बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लाखों श्रद्धालु भगवान सूर्य की आराधना के लिए पहुंचते हैं। धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ यह मंदिर अब पर्यटन के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। विकास योजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

पैक्स चुनाव में नागेश्वर शर्मा की वापसी

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद मसौढ़ी के भदौरा पैक्स का चुनाव बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ। मतगणना शाम 6 बजे शुरू हुई जो देर रात तक चली। इस बार चतुष्कोणीय मुकाबले में पुराने खिलाड़ी नागेश्वर शर्मा ने बाजी मार ली।नागेश्वर शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी लक्ष्मण पांडे को 115 वोट से हराकर जीत दर्ज की। नागेश्वर शर्मा को 481 वोट मिले जबकि लक्ष्मण पांडे को 366 वोट प्राप्त हुए। तीसरे स्थान पर रामदयालु सिंह रहे जिन्हें 193 वोट मिले। उनके बेटे पवन कुमार को मात्र 15 वोट से संतोष करना पड़ा। नागेश्वर शर्मा पिछले 10-15 साल से भदौरा पैक्स के अध्यक्ष रहे हैं। पिछले चुनाव में वह लक्ष्मण पांडे से 85 वोट से हार गए थे। हालांकि लक्ष्मण पांडे के कार्यकारिणी सदस्य जीत नहीं पाए थे, जिसके कारण समिति भंग हो गई थी और दोबारा चुनाव कराना पड़ा।इस बार नागेश्वर शर्मा ने अपनी रणनीति से सभी प्रतिद्वंद्वियों को करारी शिकस्त दी है। जीत के बाद उनके समर्थकों में जश्न का माहौल है। नागेश्वर शर्मा की यह जीत भदौरा पैक्स में उनके पुराने दबदबे को फिर से साबित करती है।

फतुहा में कांग्रेस की बैठक आयोजित, संगठन मजबूती पर जोर

फतुहा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फतुहा के वाणी पुस्तकालय में पटना जिला कांग्रेस संगठन-2 की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष संजीत कुमार ने की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, पर्यवेक्षक एवं पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करना तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाना रहा। इस दौरान संगठन विस्तार, कार्यकताओं की भूमिका और जनता के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित नेताओं ने कार्यकताओं से अपील की कि वे क्षेत्र में सक्रिय रहकर पार्टी की विचारधारा और योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं तथा संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

शराब माफिया पर शिकंजा, 1000 लीटर से देसी शराब नष्ट

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा और घोसवरी पुलिस ने शराब माफिया के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। मोकामा पुलिस अंग्रेजी शराब और मादक पदार्थों के नेटवर्क को तोड़ने में जुटी है, वहीं घोसवरी पुलिस ने देसी शराब बनाने वाले गिरोह की कमर तोड़ दी है।घोसवरी थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस टीम ने धनकडोभ गांव की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान कई मिनी देसी शराब फैक्ट्रियों का खुलासा हुआ।खेतों और घरों के आंगन में बड़े पैमाने पर देसी शराब तैयार हो रही थी।गांव के बाहर खेतों में खुदाई कर कई गैलन अर्धनिर्मित देसी शराब छिपाकर रखी गई थी।मौके पर ही 1000 लीटर से ज्यादा अर्धनिर्मित देसी शराब को नष्ट किया गया।एक महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार, घोसवरी पुलिस पहले भी धनकडोभ गांव में छापेमारी कर दर्जनों भट्ठियां जमींदोज कर चुकी है। बावजूद इसके, यहां फिर से मिनी फैक्ट्री लगाकर देसी शराब बनाई जा रही थी।थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि पुलिस एक्शन के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चला रही है। ग्रामीणों को शराब बनाने और सेवन न करने की नसीहत दी जा रही है।

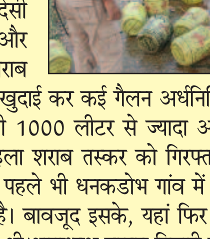

समर कैंप 2026 का सफल आयोजन

खगौल/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डिविजनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, दानापुर एवं गोल्डन मार्शल आर्ट अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे जगजीवन स्टेडियम, दानापुर में 1 जून से 14 जून 2026 तक समर कैंप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप में खगौल, फुलवारी एवं दानापुर क्षेत्र के लगभग 100 बच्चे उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिनमें बालिकाओं की संख्या सर्वाधिक है। गोल्डन मार्शल आर्ट अकादमी के निदेशक एवं एनआईएस कोच विजय लाल यादव ने बताया कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में मार्शल आर्ट, जूडो, कराटे, आत्मरक्षा, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं खेलों के प्रति रुचि विकसित करना है। साथ ही उन्हें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना भी इस प्रशिक्षण शिविर का प्रमुख लक्ष्य है। कैंप के सफल संचालन में डिविजनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, दानापुर के सचिव बृजेश कुमार चौबे, एनआईएस कोच विजय लाल यादव तथा प्रशिक्षक राहुल राज, आर्यव्रत कुमार अमन, राहुल कुमार, विक्रांत सिंह, अमन कुमार एवं आर्यन सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समर कैंप के दौरान कई बच्चों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। इनमें अद्विका, अद्विक, रागिनी, सलोनी, दीपिका, शिवानी, प्रकृति, राधा, वैष्णवी, प्रीति, नंदिनी, सनी, दिव्यांश, रवि, आराध्या, अनुष्णा, सार्थक, तेजांश, माही एवं विवेक प्रमुख हैं। कैंप का समापन 14 जून 2026 को होगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा चयनित प्रतिभाशाली बच्चों को एक वर्ष तक निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास में वृद्धि तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महादेव मंदिर से शिवलिंग पर लिपटे का नाग की चोरी

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुनपुन थाना क्षेत्र के जट डुमरी पंचायत स्थित खैरूद्दीनचक गांव के प्रसिद्ध बुढ़वा महादेव मंदिर में बुधवार रात 03.06.2026 को चोरी की वारदात हुई है। चोरों ने मंदिर के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग पर लिपटा पितल का नाग चुरा लिया। गुरुवार सुबह जब पुजारी मंदिर का पट खोलने पहुंचे तो शिवलिंग पर से नाग गायब था। गर्भगृह का ताला टूटा हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि शिवलिंग पर लिपटा यह पितल का नाग पुराना था।श्रद्धालुओं की आस्था इस नाग से जुड़ी थी। सावन और महाशिवरात्रि पर विशेष पूजा होती थी। सूचना पर पुनपुन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। थानाध्यक्ष ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा और ना ही कोई पुजारी के द्वारा आवेदन दिया गया है फिर भी अपने स्तर से जांच पड़ताल की जा रही है।घटना से इलाके के श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और रात्रि गश्ती तेज करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ महीने पहले भी पास के एक मंदिर में दानपेटी चोरी की घटना हुई थी।

खुसरूपुर के चैनपुर में दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग

खुसरूपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खुसरूपुर प्रखंड अंतर्गत चौड़ा पंचायत अंतर्गत चैनपुर गांव में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हथियारबंद लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना चैनपुर निवासी रविन्द्र सिंह के दरवाजे पर हुई, जहां 8 से 9 राउंड गोलियां चलाई गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार 8 से 10 की संख्या में पहुंचे हथियारबंद लोगों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार गिट्टी-बालू आपूर्ति में कमीशन को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने गुरुवार को हिंसक रूप ले लिया और फायरिंग की घटना हो गई। गोलीबारी से पूरे गांव में भय और तनाव का माहौल बन गया। घटना में गोली के छर्रे लगने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों में विकास कुमार की 12 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी, अरुण सिंह की 50 वर्षीय पत्नी सोना देवी तथा रविन्द्र प्रसाद के 26 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार शामिल हैं। सभी घायलों को तत्काल स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दीपक कुमार को बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

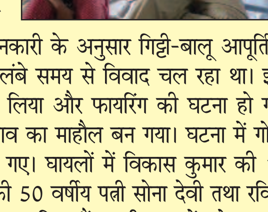

फर्जी दस्तावेज से 3.55 लाख की ठगी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

मसौढ़ी पुलिस ने जहानाबाद से दबोचा

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फर्जी दस्तावेज के जरिए जमीन रजिस्ट्री के नाम पर 3 लाख 55 हजार रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को मसौढ़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।मसौढ़ी थाना कांड संख्या 442/26, दिनांक 03.06.2026 के प्राथमिकी अभियुक्त अमित कुमार, उम्र करीब 31 वर्ष, पिता रामप्रवेश पासवान, निवासी सलेमपुर, थाना कदौना, जिला जहानाबाद को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि अमित कुमार ने हिलसा निवासी 59 वर्षीय ललन कुमार को मसौढ़ी के निसियावां मौजा में 10 धुर जमीन दिखाकर 26.11.2025 को फर्जी एग्रीमेंट कराया। इसके बाद ऑनलाइन व नगद कुल 3,55,000 रुपये ले लिए। 02.06.2026 को रजिस्ट्री के नाम पर निबंधन कार्यालय बुलाकर खेत में फोटो खिंचवाई और 15 हजार रुपये चालान के नाम पर ठग लिए। जांच में पता चला कि निबंधन कार्यालय में कोई चालान जमा ही नहीं हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर मसौढ़ी थाना में धोखाधड़ी एवं विश्वासघात की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष के निर्देश पर गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान के बाद आरोपी को जहानाबाद स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है। आरोपी को बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा जा रहा है।

रास्ता बंद करने की शिकायत, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

दीदारगंज/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दीदारगंज थाना क्षेत्र के निवासी मनोज कुमार ने आने-जाने के रास्ते को अवरुद्ध करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक पटना को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में मनोज कुमार ने बताया है कि उन्होंने वर्ष 2023 में दिदारगंज थाना क्षेत्र के नशीरपुर ताजपुर मौजा में जमीन खरीदी थी। उनकी जमीन तक पहुंचने के लिए छह फीट चौड़ी गली ही एकमात्र रास्ता है। आरोप है कि कुछ स्थानीय लोग मिलकर ईंट-सीमेंट से गली को स्थायी रूप से बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने शैलेंद्र कुमार, कृष्णा कुमार, उदय कुमार, जमाल अहमद एवं बंटी मियां समेत अन्य पर रास्ता अवरुद्ध करने, गाली-गलौज करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। आवेदन के अनुसार, पूर्व में भी 27 मई 2026 को दिदारगंज थाना में लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नदी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 742 बोतल नशीली कफ सिरप के साथ पांच गिरफ्तार

फतुहा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फतुहा नदी थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 जून को नदी थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल वाहन जांच अभियान चला रहा था। इसी दौरान पकड़ीदरगाह की ओर से आ रहे एक टेम्पू को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन को तेज गति से मोड़कर मोजीपुर की ओर भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने सशस्त्र बल के सहयोग से पीछा कर टेम्पू को पकड़ लिया। टेम्पू की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई 100 एमएल की 742 बोतल कोडीन फॉस्फेट एवं ट्राइप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड युक्त नशीली कफ सिरप बरामद हुई। बरामद कफ सिरप की कुल मात्रा लगभग 74.2 लीटर बताई गई है। इस मामले में टेम्पू पर सवार पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नशीली कफ सिरप के अलावा एक टेम्पू, पांच मोबाइल फोन तथा 6,500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। घटना के संबंध में नदी थाना कांड संख्या 220/2026 दर्ज कर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम तथा एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मसौढ़ी अग्निशमन को मिला फोम टेंडर, पेट्रोल पंप और केमिकल फैक्ट्री में आग पर काबू पाना होगा आसान

अब तक पानी से बुझानी पड़ती थी तेल की आग, 3 हजार लीटर फोम क्षमता वाले टेंडर से मिलेगी बड़ी राहत

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी अग्निशमन कार्यालय को एक नया फोम टेंडर आवंटित किया गया है। इस अत्याधुनिक गाड़ी के मिलने से पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, केमिकल फैक्ट्री और तेल टैंकर में लगने वाली आग पर अब मिनटों में काबू पाया जा सकेगा। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी मंजीत सिंह ने बताया कि इस फोम टेंडर में 3000 लीटर पानी के साथ 500 लीटर फोम केमिकल स्टोर करने की क्षमता है। तेल, पेट्रोल, डीजल और केमिकल की आग पर पानी बेअसर होता है। बल्कि पानी डालने से आग और फैलती है। ऐसे में फोम की बौछार से आग की ऑक्सीजन सप्लाई कट जाती है और वह तुरंत बुझ जाती है।मसौढ़ी अनुमंडल में 18 पेट्रोल पंप, 2 गैस बॉटलिंग प्लांट और कई गोदाम हैं। अब तक यहां आग लगने पर पटना से फोम टेंडर मंगाना पड़ता था। तब तक आग विकराल रूप ले लेती थी। फोम टेंडर के साथ 6 अग्निशमन कर्मियों को पटना में विशेष ट्रेनिंग भी दी गई है। फोम और पानी के मिश्रण का अनुपात कैसे रखना है, किस तरह की आग में कितना प्रेशर देना है, इसकी पूरी जानकारी दी गई है। नया टेंडर मिलने से इलाके के पेट्रोल पंप संचालकों और व्यवसायियों ने राहत की सांस ली है। मसौढ़ी वासियों ने कहा कि यह मसौढ़ी की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम है। हाईवे पर टैंकर हादसे में अब तुरंत कार्रवाई हो सकेगी।

कादिरगंज में अवैध बालू खनन पर बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त, 1.13 लाख का जुर्माना

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अवैध बालू खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को कादिरगंज थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। माइनिंग विभाग और कादिरगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी बारिबिगहा पुल के पास दरधा नदी में छापेमारी कर अवैध रूप से पीला बालू खनन कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। बिना चालान के पीला बालू परिवहन करने के मामले में खनन विभाग ने 1,13,695 रुपये का जुमार्ना लगाया है। जब्त ट्रैक्टर के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।थानाध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि बड़ी बीघा समेत कई जगहों पर अवैध रूप से बालू का खनन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद माइनिंग विभाग और कादरगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ट्रैक्टर चालक और बालू माफिया भागने में सफल रहे।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का खुलासा, पांच लोगों ने बनाया मकान और झोपड़ी, जांच में पुष्टि

अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भगवानगंज थाना क्षेत्र के अनौली गांव में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का बड़ा मामला सामने आया है। लोक शिकायत निवारण में दायर परिवाद की जांच में 5 लोगों द्वारा गैरमजरूआ आम और इजारेदार भूमि पर पक्का मकान, बाउंड्री और झोपड़ी बनाकर कब्जा करने की पुष्टि हुई है। दरअसल दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त अंचलाधिकारी प्रभात रंजन ने बताया कि अनौली निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, मसौढ़ी के यहां परिवाद दायर किया था। आरोप था कि मौजा अनौली में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। परिवाद पर राजस्व कर्मचारी से स्थलीय जांच कराई गई। अभिलेख मिलान में पाया गया कि मौजा अनौली, थाना नं. 240 में खाता 117, खेसरा 310 में 52 डी. और खेसरा 103 में 27 डी. जमीन गैरमजरूआ आम है। वहीं खाता 15, खेसरा 102 में 3 डी. जमीन गैरमजरूआ इजारेदार है। राजस्व कर्मचारी की अनुशंसा पर अंचल अमीन से मापी कराई गई। मापी रिपोर्ट में खेसरा 103 को खाली परती पाया गया। लेकिन खेसरा 310 और 102 के अंश रकवा पर अतिक्रमण मिला। जिसमें राम प्रवेश पासवान खाता 117, खेसरा 310 पर 0.51 डी. में झोपड़ी बना ली थी,एवं राम लड्डू पासवान खाता 117, खेसरा 310 पर 1.32 डी. में पक्का मकान बना लिया। राम दुलार सिंह खाता 117, खेसरा 310 पर 0.80 डी. में पक्का बाउंड्री एवं राम सुमिरन सिंह का खाता 117, खेसरा 310 पर 0.80 डी. में पक्का ईंट-करकट का निर्माण कर लिया। इसके अलावा राम सुमिरन सिंह खाता 15, खेसरा 102 पर कृषि कार्य कर रहे हैं।ऐसे मे अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी, भगवानगंज को बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत नोटिस जारी की गई थी जिसको लेकर गुरुवार को अंचलाधिकारी प्रभात रंजन की मौजूदगी में चार लोगों का मकान को ध्वस्त किया गया है।

समर कैंप के पांचवें दिन बच्चों ने सीखी योग, क्राफ्ट, अभिनय और नृत्य की बारीकियां

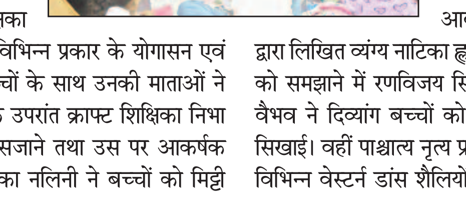

खगौल /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन एवं अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में तथा कला जागरण, पटना के सहयोग से दादी मंदिर, बैंक रोड, पटना में आयोजित समर कैंप के पांचवें दिन बच्चों के लिए विविध रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत योग प्रशिक्षिका रीना कुमारी द्वारा कराई गई। उन्होंने बच्चों को विभिन्न प्रकार के योगासन एवं योगाभ्यास सिखाए। इस दौरान सभी दिव्यांग बच्चों के साथ उनकी माताओं ने भी उत्साहपूर्वक योग में भाग लिया। योग सत्र के उपरांत क्राफ्ट शिक्षिका निभा कुमारी ने बच्चों को मिट्टी से बने गुल्लक को सजाने तथा उस पर आकर्षक रंग भरने की कला सिखाई। वहीं, क्राफ्ट शिक्षिका नलिनी ने बच्चों को मिट्टी से उल्लू एवं अन्य विभिन्न आकृतियां बनाना और उन्हें रंगों से सजाना सिखाया। इसके बाद प्रसिद्ध रंगकर्मी सुमन कुमार ने बच्चों को अभिनय की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रंगमंच पर प्रभावी अभिनय के लिए संवाद अदायगी के साथ-साथ शारीरिक हाव-भाव को भी पात्र के अनुरूप ढालना आवश्यक होता है। इस अवसर पर उन्होंने कमलेश्वर द्वारा लिखित व्यंग्य नाटिका ह्रहम एक हैंह्न का अभ्यास भी कराया। नाट्य प्रशिक्षण को समझाने में रणविजय सिंह ने बच्चों का सहयोग किया। कलाकार आदर्श वैभव ने दिव्यांग बच्चों को अखबार से विभिन्न आकृतियां बनाने की कला सिखाई। वहीं पाश्चात्य नृत्य प्रशिक्षिका रोज सिंह ने बच्चों को एरोबिक डांस एवं विभिन्न वेस्टर्न डांस शैलियों का प्रशिक्षण दिया।

ग्रामीण और छोटे शहरों के यंग इनोवेटर्स को 50 हजार से 50 लाख तक की फंडिंग की घोषणा

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पब्लिक रिलेशन क्षेत्र की अग्रणी संस्था देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने के उद्देश्य से एक बेहद खास और महत्वाकांक्षी पहल 'प्रगति' की शुरूआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरूआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। वर्तमान में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जहाँ हर साल हजारों नए बिजनेस उभरकर सामने आते हैं। लेकिन विभिन्न विश्वसनीय बिजनेस रिपोर्ट्स और इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़े एक कड़वा सच भी बयां करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में शुरू होने वाले लगभग 90 प्रतिशत स्टार्टअप्स शुरूआती 5 वर्षों के भीतर ही बंद हो जाते हैं। बाजार में मांग की कमी के बजाय, इनके असफल होने का सबसे बड़ा कारण सही समय पर सीड फंडिंग, सही इन्वेस्टर या एक बेहतर मेंटर का न मिलना है। इसके अलावा, देश का 80 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप इन्वेस्टमेंट केवल बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे बड़े मेट्रो शहरों तक ही सीमित रह जाता है, जिसके कारण ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों के होनहार युवाओं के आइडियाज पैसों के अभाव में दम तोड़ देते हैं।

वॉलंटियरशिप और शोध से युवाओं को नई दिशा : प्रो. शांडिल्य

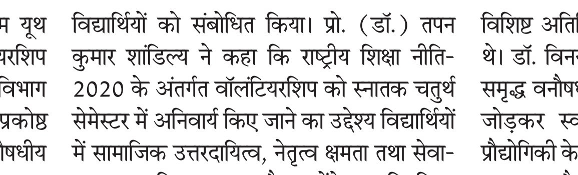

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में गुरुवार को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक सहभागिता तथा वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों , महाविद्यालय एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में वॉलंटियरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम एवम वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में औषधीय पौधों के संग्रहण, सुखाने, निष्कर्षण, सॉल्वेंट चयन एवं फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। वॉलंटियरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने की। कार्यक्रम में श्री कपिल देव राम, राज्य निदेशक, मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार), विनय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, बिहार तथा डॉ. मोहम्मद अली, इंटर्नशिप समन्वयक, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत वॉलंटियरशिप को स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर में अनिवार्य किए जाने का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा-भावना का विकास करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र निर्माण और सामाजिक चेतना का आधार है। विनय कुमार ने कहा कि वॉलंटियरशिप युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, टीम भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता का विकास करती है। डॉ. हंस कुमार सिंह, एनईपी समन्वयक, टी.पी.एस. कॉलेज ने कहा कि वॉलंटियरशिप विद्यार्थियों को समाज के साथ जुड़कर सीखने तथा अपने व्यक्तित्व को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। द्वितीय सत्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य, प्राचार्य, टी.पी.एस. कॉलेज, पटना द्वारा किया गया जबकि मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार, प्राचार्य, आर.एम.डब्ल्यू. कॉलेज, नवादा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. चंदन, सवेरा कैंसर हॉस्पिटल थे। डॉ. विनय भूषण कुमार ने कहा कि भारत की समृद्ध वनौषधीय परंपरा को वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़कर स्वास्थ्य, औषधि निर्माण तथा जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई संभावनाओं का सृजन किया जा सकता है। प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि औषधीय पौधों पर आधारित अनुसंधान भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वहीं डॉ. चंदन ने पारंपरिक औषधीय ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. मुकुंद कुमार तथा डॉ. रवि प्रभाकर , डॉ. अवनीत भूषण, डॉ. अंकित कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वच्छ एवं कचरा मुक्त बेगूसराय के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का शत-प्रतिशत हो अनुपालन

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर की जाएगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। समाहरणालय स्थित सभागार में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन को लेकर जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकायों, पंचायत राज संस्थाओं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ एवं कचरा मुक्त बेगूसराय के निर्माण के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि नियमों के कार्यान्वयन की सतत निगरानी हेतु जिला स्तर पर विशेष सेल का गठन किया जाएगा।

जिसमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। साथ ही डंपिंग स्थलों का नियमित निरीक्षण कर प्रगति प्रतिवेदन राज्य स्तर पर निर्धारित अवधि के अनुसार भेजा जाएगा। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वाले थोक अपशिष्ट उत्पादकों एवं अन्य संबंधित संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कचरा संग्रहण, परिवहन एवं निपटान के लिए केवल स्थानीय निकायों द्वारा अधिकृत वाहनों का ही उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने सभी स्थानीय निकायों के कार्यों की नियमित समीक्षा तथा अपशिष्ट प्रबंधन अवसंरचना के विकास हेतु उपयुक्त भूमि की पहचान एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के चरणबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए बताया गया कि 20 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में 18 माह, 10 से 20 हजार आबादी वाले गांवों में 24 माह तथा 10 हजार तक की आबादी वाले गांवों में 36 माह के भीतर व्यवस्था विकसित की जानी है। इसके लिए पंचायत राज संस्थाओं को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर पोर्टल पर अपलोड करने तथा डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कचरा प्रबंधन के लिए स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण, डोर-टू-डोर संग्रहण व्यवस्था को सुदृढ़ करने, बंद वाहनों के माध्यम से परिवहन सुनिश्चित करने, जीरो डंपिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने तथा पुराने डंपिंग स्थलों के वैज्ञानिक निष्पादन पर विशेष बल दिया गया। साथ ही कचरा संवेदनशील स्थलों की तकनीकी मैपिंग एवं विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों को जन जागरूकता और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों एवं स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर तैयार की जा रही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नीतियों के लिए आवश्यक सूचनाओं एवं आंकड़ों का समयबद्ध संकलन एवं प्रेषण सुनिश्चित करें ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर राज्य एवं जिला स्तर की कार्ययोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके। बैठक में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, नगर आयुक्त नगर निगम सोमेश बहादुर माथुर, निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार, जिला समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान विश्वजीत कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. घनश्याम राय पर्यवेक्षक नियुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय को नोडल विश्वविद्यालय–भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर–द्वारा एसईटी बीएड 2026 के लिए 'वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा' का 'पर्यवेक्षक' नियुक्त किया गया है। यह परीक्षा 07 जून को पूरे बिहार राज्य में आयोजित की जानी निर्धारित है। निर्गत पत्र में डॉ. घनश्याम राय को 05 जून की सुबह से आरा विश्वविद्यालय में अपनी ड्यूटी पर रिपोर्ट करने का

निर्देश दिया गया है। इस संबंध में, मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर संजय कुमार ने डॉ. राय को 04 जून की दोपहर से तत्काल प्रभाव से उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए विरमित कर दिया है। यह उल्लेखनीय है कि भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर को पहली बार बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 आयोजित करने के लिए अधिकृत किया गया है। परीक्षा के लिए आरा विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक के रूप में मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलसचिव की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ. राय को हार्दिक बधाई दी।

मारपीट में एक जख्मी, चार बने नामजद

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के समसा गांव के वार्ड संख्या 15 में हुई मारपीट की घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान समसा निवासी राजेश महतो के रूप में की गई है। उनका उपचार बेगूसराय के एक निजी क्लीनिक में कराया गया। घटना को लेकर घायल की पत्नी ललिता देवी ने नावकोठी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में उन्होंने गांव के विनोद महतो, चांदनी देवी, नेनशी कुमारी तथा खगड़िया जिले के बैलदौर थाना क्षेत्र के पनसलवा निवासी महेन्द्र महतो को नामजद अभियुक्त बनाया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि वह अपने घर पर बैठी हुई थी, तभी सभी आरोपित लाठी, डंडा एवं लोहे का रॉड लेकर उनके घर में घुस आए और बिना किसी बात के गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमले के दौरान उनके पति राजेश महतो को लोहे के रॉड से बेरहमी से पीटा गया, जिससे उनके दोनों हाथ टूट गए और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे। लोगों को आता देख सभी आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद घायल को तत्काल उपचार के लिए बेगूसराय ले जाया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल में जुट गई है तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हरित खाद निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रिया की ली गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले से आए चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बेगूसराय में संचालित हरित खाद मॉडल का तीन दिवसीय अध्ययन भ्रमण किया। 2 से 4 जून तक चले इस एक्सपोजर विजिट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने हरित खाद के निर्माण, विपणन एवं उपयोग की प्रक्रिया को विस्तार से समझा तथा विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर इसके व्यावहारिक पहलुओं का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल में लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, बड़ापुर टांडा की सदस्य सुमित्रा यादव, साधना स्वयं सहायता समूह, जौतजैना टांडा की सदस्य श्रीमती इन्द्रावती, विकास खंड टांडा के ब्लॉक मिशन मैनेजर दुर्गेश कुमार सिंह तथा अंबेडकरनगर के जिला मिशन प्रबंधक (आजीविका) आशीष कुमार शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत जीविका जिला कार्यालय, बेगूसराय में हुई। इस अवसर पर उन्होंने हरित खाद की अवधारणा, निर्माण प्रक्रिया, विशेषताओं तथा इसके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी। श्री कुमार ने बताया कि हरित खाद की शुरुआत केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की पहल एवं नवाचार का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज हरित खाद स्थानीय किसान दीदियों के खेती के तरीकों में सकारात्मक बदलाव ला रही है तथा रासायनिक उर्वरकों पर उनकी निर्भरता कम करने में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने हरित खाद के प्रचार-प्रसार में जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के सहयोग की भी सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने हरित खाद निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया को नजदीक से समझा। आगंतुकों ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे अन्य राज्यों एवं क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकता है।अपने दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जीविका संकुल संघ की बैठक में भाग लिया तथा 'दीदी की रसोई' सहित अन्य सामुदायिक गतिविधियों का भी अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने बेगूसराय में हरित खाद के सफल क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे उत्तर प्रदेश में भी लागू करने की इच्छा जताई।

श्रीजगन्नाथ की निकलेगी भव्य रथयात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिले के हरे कृष्ण सेंटर द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा जुलाई में दूसरी बार निकलेगी। इस संबंध में सोमवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में रथयात्रा की तैयारियों, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आयोजन के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। आयोजकों ने बताया कि बेगूसराय में भगवान श्री जगन्नाथ की यह रथयात्रा लगातार दूसरी बार आयोजित की जा रही है। पिछले वर्ष श्रद्धालुओं के उत्साहपूर्ण सहयोग और अभूतपूर्व सहभागिता को देखते हुए इस वर्ष भी रथयात्रा को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव 19 जुलाई (रविवार) को परम पूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज जी के दिव्य आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा। रथयात्रा का शुभारंभ सरयू सदन (काली मंदिर) से होगा। वहां से भव्य रथ डाकबंगला रोड एवं मुख्य बाजार मार्ग से होते हुए जीडी कॉलेज तक पहुंचेगा। रथयात्रा के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा महारानी के दिव्य विग्रहों का दर्शन श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। संपूर्ण यात्रा में हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन, नृत्य एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरे नगर में भक्ति एवं उत्साह का वातावरण निर्मित होगा।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ईश्वर नाम दास एवं रक्षक गिरिधारी दास ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भारत की प्राचीन एवं विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक परंपराओं में से एक है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, सेवा और भक्ति का ऐसा महापर्व है, जो समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा प्राप्त करने का यह एक दुर्लभ अवसर है और सभी नागरिकों को इस दिव्य उत्सव में सम्मिलित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना चाहिए। प्रेस वार्ता के दौरान आयोजन समिति के सदस्य संजय हिसारिया, कनिष्क हिसारिया, कमल मंगोटिया, मोहित, राजकमल, दीपेश, अच्युत एवं अभिषेक सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने बेगूसराय एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ इस दिव्य रथयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करें।

रात में अकेले तैनात नहीं होंगे जवान : डीआईजी

आरपीएफ जवान की हत्या की होगी उच्च स्तरीय जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल के भागलपुर-साहेबगंज रेलखंड के बीच लैलख ममलखा स्टेशन पर बीते 27 मई को आरपीएफ जवान धर्मेंद्र कुमार की निर्मम हत्या के मामले को रेलवे प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया है। मालदा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के डीआईजी रफीक अहमद ने स्पष्ट किया है कि इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। इस मामले की विभागीय एवं घटनाक्रम की अलग से जांच होगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इस जघन्य अपराध में संलिप्त किसी भी अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा और इस मामले में किसी भी तरह की लीपापोती बर्दाश्त नहीं होगी।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीआईजी के कड़े निर्देश

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डीआईजी ने आरपीएफ के सभी विंग के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक किया। इस बैठक में मालदा डिवीजन के डीएससी (डिवीजनल सुरक्षा आयुक्त) वरुण कुमार बेहरा, मालदा व जमालपुर के एएससी, सभी आरपीएफ इंस्पेक्टर, सीआईबी एवं एसआईबी के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीआईजी ने सुरक्षा को लेकर कई कड़े और नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लैलख ममलखा जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए रात के समय किसी भी आरपीएफ जवान की ड्यूटी अकेले नहीं लगाई जाएगी। रात में हमेशा जवानों की तैनाती ग्रुप में होगी। महिला आरपीएफ जवानों को सुरक्षा के मद्देनजर रात्रि पाली की ड्यूटी से पूरी तरह दूर रखा जाएगा। आरपीएफ के सभी विंग (सीआईबी, एसबीआई एवं स्थानीय रेलवे पुलिस आपस में बेहतर तालमेल एवं समन्वय के साथ काम करेंगे ताकि सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य रहे। आरपीएफ जवान धर्मेंद्र कुमार की हत्या के मामले की विभागीय और घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होगी। पीड़ित परिवार के साथ पूरा रेलवे प्रशासन खड़ा है। और उन्हें उचित सरकारी मुआवजा जल्द से जल्द दिलाया जाएगा।

किशोरी को भगाने के मामले में वारंटी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। थाना के अलग-अलग गाँव से नावकोठी पुलिस ने एक वांछित एवं एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मो फिरदौस ने बताया कि गिरफ्तार वांछित समसा के तुलसी महतो का पुत्र अविनाश कुमार है। वह नावकोठी थाना कांड संख्या 46/26 का प्राथमिकी नामजद था। उस पर गांव के ही एक किशोरी को भगाने का आरोप था। कांड अंकित होने के बाद वह दो महीने से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर उसे गांव से ही पकड़ लिया गया। इसके पूर्व इसी कांड में इसके भाई प्रिंस कुमार को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। वही रजाकपुर पंचायत के चक्का से वारंटी भुवनेश्वर सदा का पुत्र रोहित सदा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।अग्रेतर कार्रवाई हेतु दोनों को न्यायालय भेज दिया गया है।

दो वारंटी गिरफ्तार

वीरपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के पानापुर गांव वार्ड संख्या 1 निवासी युगेश्वर शर्मा के पुत्र सूरज कुमार शर्मा एवं स्व विशुनदेव शर्मा के पुत्र युगेश्वर शर्मा को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए वीरपुर थानाध्यक्ष राजू रंजन कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 210/23 के तहत न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था जिसके तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बांस की झाड़ी में मिला महिला का शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पलासी (अररिया)। अररिया जिले के पलासी थाना क्षेत्र में रविवार को एक महिला का शव बांस की झाड़ी से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान नविता देवी (पत्नी गौरव मंडल), निवासी पनडुब्बी के रूप में हुई है। घटना कनखूदिया चौक से गंगझाली जाने वाली सड़क पर सुरकिया पुल के समीप की है। जानकारी के अनुसार नविता देवी अपने पति और पांच वर्षीय बेटे के साथ मायके पिपरा बिजवार वार्ड संख्या-9 से कपड़े खरीदने के लिए कालियागंज बाजार जाने की बात कहकर निकली थीं। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया। दो-तीन बार घंटी बजने के बाद मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई और उन्होंने खोजबीन शुरू कर दी। रात में कोई सुराग नहीं मिलने पर मामले की सूचना पलासी थाना को दी गई। सोमवार सुबह पुलिस को सुरकिया पुल के पास बांस की झाड़ी में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने मृतका के परिजनों को बुलाकर शव की पहचान कराई, जिसके बाद उसकी पहचान नविता देवी के रूप में हुई। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि करीब एक वर्ष पूर्व भी ससुराल वालों ने नविता देवी की हत्या का प्रयास किया था। उस समय पुलिस की मदद से उसे ससुराल से मायके लाया गया था, जिसके बाद से वह मायके में ही रह रही थी। परिजनों का आरोप है कि मृतका का पति नशे का आदी है और पंजाब में मजदूरी करता है। हाल ही में वह वापस आया था और पत्नी को यह कहकर साथ ले गया था कि अब किसी प्रकार का विवाद नहीं होगा। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद से मृतका का पति और उसका पांच वर्षीय पुत्र दोनों लापता हैं। वहीं मृतका की दो बेटियां, जिनकी उम्र क्रमशः छह वर्ष और एक वर्ष है, मायके में ही रह रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही पलासी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक जांच टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य संकलन का कार्य शुरू किया। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है तथा घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा (भोजपुर)। आज दिनांक 4 जून को सावित्री सेवा संस्थान के द्वारा आयोजित मोहन मिस्त्री के गैरेज वी.मार्ट के बगल में संध्या 4 बजे डॉ दिलीप वर्मा की अध्यक्षता में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय ''सिंगल यूज प्लास्टिक का लाभ एंव हानि'' था। संचालक राजेन्द्र पर्यवरण ने विषय परिवेश करते हुए उन्होंने कहा की हमारे जीवन मे इस कदर प्रवेश कर गया है कि प्लास्टिक के कारण जीवन नरक होते हुए भी हम लगातार इसके शिकार हो रहे हैं, कैसे इससे निजात पाएं। समाजिक कार्यकर्ता अशोक मानव ने अपने वक्तव्य में

कहा कि ये प्लास्टिक एक अंतराष्ट्रीय साज़िश के तहत भारत वासियों पर थोपा गया है। सरकार क्यों नहीं इसके प्रोडक्शन पर ही रोक लगा रही है। मेरा तो मानना है कि ये सरकार इस प्लास्टिक पर प्रतिबंध कभी नहीं लगाएगी। इस पर अगर रोक लगेगा तो सिर्फ जनता के एक जुट होकर दबाव, जनसंघर्ष के माध्यम से हीं सम्भव है। उन्होंने एक प्रस्ताव रखा की जिला पर्यावरण संगठन के संरक्षक स्व. बिजय कुमार, के याद में कल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ जरूर लगाएं। भरत सिंह ने एक जुट होकर जिलाधकारी और वन पदाधिकारी से मिलकर अपनी बात के साथ उन्हें ज्ञापन भी सौंपा जाय। अंत में अध्यक्षता कर रहे डॉ दिलीप वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सबसे पहले प्लास्टिक को अपने और अपने परिवार से दूर करें। अध्यक्षीय भाषण के साथ-साथ आये हुए अतिथियों को अपना बहुमूल्य समय निकलने के लिए धन्यवाद दिया। अंत मे संरक्षक स्व बिजय कुमार की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। अन्य वक्ताओं में अधिवक्ता सत्यार्थी जी, अजित रंजन, वशिष्ट जी, राजेश कुमार, सुरेश भोजपुरिया, आरसी भूषण, रंजीत कुमार, विशाल कुमार, सुशील जी, रोहित कुमार, मो. नसीर, अजय कुमार आदि उपस्तिथ रहे।

3 जुलाई को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंगेर। 3 जुलाई, को मुंगेर विश्वविद्यालय में होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा गुरुवार दोपहर को कुलपति प्रोफ़ेसर संजय कुमार की अध्यक्षता में उनके कक्ष में की गई। बैठक के दौरान विभिन्न आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई, जिनमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची, अतिथियों के लिए पगड़ी और औपचारिक स्कार्फ की व्यवस्था शामिल थी। यह उल्लेखनीय है कि पंजीकरण के लिए 6 जून की समय सीमा निर्धारित की गई है। इस संबंध में, सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों/प्रभारी प्राचार्यों

को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने कॉलेज के व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से संदेश भेजकर यह सुनिश्चित करें कि दीक्षांत समारोह में अधिक से अधिक छात्र उपस्थित हों। इस संदर्भ में भेजे जाने वाले आधिकारिक पत्रों, साथ ही विश्वविद्यालय के टॉपर्स की सूची के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय, आर.डी. एंड डी.जे. कॉलेज के प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉ. बिजेंद्र कुमार; मुंगेर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफ़ेसर डॉ. दशरथ प्रजापत, उप कुलसचिव- डॉ. अंशु राय, मीडिया समिति की सदस्य लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियवंदा शर्मा, आमंत्रित सदस्य डॉ. राजीव नयन, स्थापना शाखा अधिकारी कृष्ण कुमार, सहायक गौरव कुमार, शशांक शेखर, तन्मय मनीष, रवि रंजन, आदि शामिल थे। दीक्षांत समारोह के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए बैठक के दौरान आवश्यक निर्देश जारी किए गए, और विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारियां संबंधित अधिकारियों को सौंपी गईं। कुलपति ने दीक्षांत समारोह के लिए गठित सभी समितियों को दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्बाइड से पकाए गए आम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नावकोठी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नावकोठी के चिकित्सक डॉ. कुमार अमित ने आम लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि कैल्शियम कार्बाइड जैसे रसायनों की मदद से कृत्रिम रूप से पकाए गए आम स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से आम खरीदते समय सतर्क रहने और यथासंभव प्राकृतिक रूप से पके हुए फलों का ही सेवन करने की अपील की। डॉ अमित ने

बताया कि कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग फलों को जल्दी पकाने के लिए किया जाता है, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता है। इस रसायन के संपर्क में आने से सिरदर्द, चक्कर आना, पेट में जलन, उल्टी, दस्त तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। लंबे समय तक ऐसे फलों का सेवन करने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि बाजार में मिलने वाले कुछ आम बाहर से पूरी तरह पीले और आकर्षक दिखाई देते हैं, लेकिन अंदर से कच्चे हो सकते हैं। कृत्रिम रूप से पकाए गए आमों में प्राकृतिक रूप से पके फलों जैसी सुगंध, मिठास और पोषक तत्वों की गुणवत्ता नहीं होती है। वहीं, प्राकृतिक रूप से पेड़ पर या सुरक्षित तरीके से पकाए गए आम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी अधिक लाभकारी होते हैं। डॉ. अमित ने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि आम खरीदते समय उनकी प्राकृतिक सुगंध, रंग और गुणवत्ता पर ध्यान दें। खाने से पहले फलों को अच्छी तरह साफ पानी से धोना चाहिए, ताकि उनकी सतह पर मौजूद धूल, गंदगी या रासायनिक अवशेषों को हटाया जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से सुरक्षित एवं प्राकृतिक रूप से पके फलों का ही सेवन करना चाहिए। उन्होंने लोगों से जागरूक रहने और स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए केवल भरोसेमंद स्रोतों से फल खरीदने की अपील की। डॉ. अमित ने कहा कि प्राकृतिक रूप से पके आम स्वाद, सुगंध और पोषण के मामले में बेहतर होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी अधिक सुरक्षित होते हैं।

वाचनालय भवन मामले में डीएम ने बीडीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री द्वारा भगवानपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में नव-निर्मित प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन के निर्माण कार्य के क्रम में पूर्व में सांसद निधि से निर्मित पुस्तकालय सह वाचनालय भवन को ध्वस्त किए जाने के मामले को गंभीरता से लिया गया है। डीएम द्वारा बीडीओ, भगवानपुर धर्मवीर कुमार प्रभाकर से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। जारी पत्र में कहा गया है कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन निर्माण के दौरान पुस्तकालय सह वाचनालय भवन को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि इस संबंध में न तो कोई पूर्व मार्गदर्शन प्राप्त किया गया और न ही जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस कार्रवाई से सरकारी राजस्व की क्षति हुई है तथा यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं की अवहेलना का मामला प्रतीत होता है। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी से पूछा है कि बिना सक्षम अनुमति एवं आवश्यक परामर्श के उक्त कार्रवाई क्यों की गई। संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर अपना विस्तृत स्पष्टीकरण समर्पित करना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी कहा गया है कि प्राप्त स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी संपत्तियों एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों से संबंधित मामलों में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा।

मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न, 90 मतों से विशाल सिंह विजयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। काराकाट प्रखंड अंतर्गत अमौना सहकारी समिति (पैक्स) चुनाव-2026 का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया जिसमें विशाल कुमार सिंह ने 90 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। गुरुवार को हुए शांतिपूर्ण मतदान के बाद सामुदायिक भवन गोडारी में मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हुई जिसकी निगरानी प्रखंड विकास पदाधिकारी काराकाट ने की। मतगणना में विशाल कुमार सिंह को कुल 313 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी संतोष कुमार उपाध्याय 223 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अन्य उम्मीदवारों में राजेश कुमार को 63 और ओम प्रकाश उपाध्याय को 19 मत मिले। इस प्रकार विशाल कुमार सिंह को 90 मतों से विजयी घोषित किया गया। मतगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता और शांति के साथ पूरा हुआ जिसमें किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मतगणना स्थल पर इंट सह प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी अनूज कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी देवाशिष सिंह, कृषि समन्वयक प्रविन कुमार, शिक्षक संजय सिंह, अजमल अंसारी, अनिल कुमार पासवान, बड़ाबाबू धन्नजय कुमार सिंह, नाजिर दिनेश कुमार, डाटा ऑपरेटर किशु कुमार सिंह, श्याम बिहारी, एसआई योगेश कुमार, रफिक अंसारी, निरंजन कुमार, आजाद कुमार और अनुसेवक कमलेश कुमार समेत कई अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। प्रशासन की कड़ी निगरानी में चुनाव एवं मतगणना का कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न हुआ। जीत के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने सभी मतदाताओं का आभार जताया और कहा कि वे किसानों व समिति सदस्यों के हित में काम करेंगे। उन्होंने शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस बल और निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मियों का धन्यवाद दिया। स्थानीय लोगों ने भी शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न होने पर संतोष जताया। अमौना पैक्स चुनाव को लेकर पिछले कई दिनों से क्षेत्र में सरगर्मी थी और सभी प्रत्याशी प्रचार में जुटे थे। परिणाम आने के बाद समर्थकों में उत्साह देखा गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से की गई और किसी भी पक्ष से कोई आपत्ति नहीं आई।

अवैध बालू खनन पर एसडीओ का कड़ा प्रहार

बिना चालान दौड़ रहे ट्रकों पर एफआईआर, माफिया में हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। बिक्रमगंज में अवैध बालू खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बालू माफियाओं की कमर तोड़ दी है। अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर बिना चालान के बालू लदे तीन ट्रकों को पकड़ा। जांच में यह गंभीर तथ्य सामने आया कि ये वाहन एक ही चालान पर कई चक्कर लगा रहे थे जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा था। एसडीओ ने तत्काल तीनों ट्रकों को जब्त कर थाना काराकाट में संबंधित वाहन मालिकों और चालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रभात कुमार की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से पूरे इलाके के बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। लंबे समय से बिना वैध कागजात के रात के अंधेरे में बालू का अवैध परिवहन करने वाले गिरोह में अब खलबली है। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक ही चालान की फोटोकॉपी दिखाकर कई बार बालू ढोना यहां आम बात हो गई थी। प्रशासन की सख्ती के बाद अब अवैध कारोबारियों में डर का माहौल है और कईयों ने अपना काम अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। एसडीओ प्रभात कुमार ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्व की चोरी रोकने और प्राकृतिक संसाधनों की लूट पर लगाम लगाने के लिए आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। इसके लिए विशेष टीम गठित कर प्रमुख मार्गों पर औचक जांच की जाएगी। साथ ही, जिन घाटों से अवैध निकासी हो रही है, उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट मामले में दोनों पक्ष से आठ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। अकोढ़ी गोला थाना क्षेत्र के अहिरवनपुर गांव में एक परिवार में जमकर मारपीट हुई। अहिरवनपुर निवासी राजेंद्र राम ने अपने ही रिश्तेदारों पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने काशी पासवान, मंटू, संतोष, छोटन, कल्लू, मृत्युंजय सभी कैथी थाना कच्छवा के रहने पर स्थानीय थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। वह दूसरी ओर से किरण देवी ने अपने ही ससुर और पति पर शराब बेचने पीने का आरोप लगाते हुए मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने अहिरवनपुर निवासी बबलू नीतीश पवन प्रमिला देवी राजेंद्र डाकू पासवान प्रीतम सावित्री देवी अवधेश की पत्नी राजेंद्र पर मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाईं ने बताया कि दोनों पक्ष की ओर से कांड दर्ज करते हुए दोनों पक्षों की ओर से कुल 8 व्यक्ति राजेंद्र राम, उमाशंकर पासवान, नीतीश कुमार, बबलू कुमार, मृत्युंजय कुमार, काशी पासवान, छोटन पासवान, राजेंद्र पासवान को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

चांद प्रखंड के चौरी पैक्स के वीरेंद्र सिंह बने अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांद (कैमूर)। कैमूर जिले के चांद प्रखंड के चौरी पैक्स अध्यक्ष तथा सदस्य पद के लिए बुधवार को हुए चुनाव की मतगणना देर रात तक प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा कक्ष में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुख्य अध्यक्ष पद के उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह को आधिकारिक रूप से विजयी घोषित किया गया। उन्होंने चुनाव में बहुत ही कड़े मुकाबले के बीच अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अन्नू देवी को 42 मतों के अंतर से पराजित किया।

कुल पड़े 1610 मत

इस पैक्स चुनाव में कुल 1,610 मत पड़े थे। मतगणना की पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता से संपन्न होने के बाद वहां मौजूद निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा विजयी उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह को उनकी जीत का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों से पैक्स के निर्वाचित घोषित किए गए सभी अन्य सदस्यों को भी पद का प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। जीत के बाद समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया।

शांतिपूर्ण तरीके से मिला परिणाम

इस महत्वपूर्ण चुनाव के संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद हदीद खान ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतगणना का पूरा कार्य पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से देर रात तक संचालित होकर संपन्न हुआ। अंतिम परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद सभी विजयी उम्मीदवारों को नियमों के तहत प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया गया। पूरे चुनाव के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

रोहतास में 142 फर्जी शिक्षकों की सेवा समाप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिले से शिक्षा विभाग की अब तक की सबसे बड़ी और कड़ी कार्रवाई सामने आ रही है। जिले में फर्जी और अमान्य प्रमाण-पत्रों के सहारे सालों से नौकरी कर रहे 142 शिक्षकों के खिलाफ सेवा समाप्ति (बर्खास्तगी) का अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से जारी पत्रांक एच-664 के आलोक में उप विकास आयुक्त के हस्ताक्षर से संबंधित सभी पंचायत, प्रखंड और नगर शिक्षक नियोजन इकाइयों को इन फर्जी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से हटाने का सख्त निर्देश दिया गया है। विभागीय जांच और स्क्रूटनी के दौरान यह खुलासा हुआ कि इन शिक्षकों ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था की आंखों में धूल झोंकने के लिए देश की कई अमान्य और प्रतिबंधित संस्थाओं के प्रमाण-पत्रों का इस्तेमाल किया था।

साधु-संतों की संगति में वैराग्य की भावना होती है जागृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। डिहरी अनुमंडल विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर पाण्डेय ने जीवन में संगत और अनुभवों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति जिस माहौल और लोगों के बीच समय बिताता है, उसका सीधा प्रभाव उसकी सोच और दृष्टिकोण पर पड़ता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति दस मिनट किसी भिखारी के पास बैठे तो उसे जीवन बेहद कठिन प्रतीत होगा जबकि किसी पियक्कड़ के पास बैठने पर जिंदगी बहुत आसान लग सकती है। साधु-संतों की संगति में वैराग्य की भावना जागृत होती है, वहीं किसी राजनेता के साथ बैठने पर व्यक्ति को अपनी पढ़ाई-लिखाई भी महत्वहीन लगने लगती है। उन्होंने कहा कि जीवन बीमा एजेंट के साथ समय बिताने पर मृत्यु और भविष्य की चिंता बढ़ सकती है जबकि किसी व्यापारी के पास बैठने पर अपनी आय बहुत कम महसूस होती है। वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करने पर ज्ञान का महत्व समझ में आता है और यह एहसास होता है कि कई गलतियां अज्ञानता के कारण होती है। उमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि अच्छे शिक्षक के संपर्क में आने पर दोबारा विद्यार्थी बनने की इच्छा होती है। किसान और मजदूरों के कठिन परिश्रम को देखकर अपने श्रम की कमी का एहसास होता है जबकि सैनिकों के त्याग और समर्पण को देखकर अपनी नौकरी और संघर्ष बहुत छोटे लगने लगते हैं।

राष्ट्रीय नेतृत्व का मार्गदर्शन बिहार भाजपा के लिए गौरव का विषय : संजय सरावगी

बैठक में बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में आज बिहार प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया तथा बिहार सह प्रभारी दीपक प्रकाश की उपस्थिति रही। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्ययोजना को गति देने तथा प्रदेशभर में संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि यह बिहार भाजपा के लिए अत्यंत प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करता है तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाता है। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियानों, आगामी कार्यक्रमों तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों को संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रियता के साथ कार्य करने और भाजपा की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित है और इसकी सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासित संगठन तथा समर्पित कार्यकर्ता हैं। ऐसे समय में जब पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व भी हमारे बीच से है और केंद्र सरकार का नेतृत्व भी भारतीय जनता पार्टी के हाथों में है, तब यह प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी के लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में संगठन निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके मार्गदर्शन से बिहार भाजपा को भी नई दिशा और नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ निर्वहन करें। बैठक में संगठनात्मक समन्वय, जनसेवा, सामाजिक संपर्क और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर भी चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनता के बीच भाजपा की नीतियों और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

चेनारी में गरजा सरकारी बुलडोजर, अवैध कब्जों को किया ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिले के नगर पंचायत चेनारी में गुरुवार की शाम ठीक 3:50 बजे से प्रशासन का बड़ा डंडा चला। 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' के तहत प्रशासन ने एक बड़ी और कड़ाई से कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों पर पीला पंजा (बुलडोजर) चला दिया। मजिस्ट्रेट पूजा शर्मा, राजस्व पदाधिकारी सौरभ कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक भारती और थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार की संयुक्त मौजूदगी में चले इस अभियान के दौरान सड़क, नाली और बहुमूल्य सरकारी भूमि को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहा जिससे पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल देखा गया। स्थानीय इनपुट के अनुसार नगर पंचायत प्रशासन द्वारा पूर्व में ही सभी अतिक्रमणकारियों को कानूनी नोटिस जारी कर स्वयं से अवैध कब्जा हटाने का सख्त निर्देश दिया गया था। जैसे ही निर्धारित समय सीमा समाप्त हुई। गुरुवार को बुलडोजर और ट्रैक्टरों के साथ प्रशासनिक टीम सीधे मौके पर धमक गई। कार्रवाई की भनक लगते ही दुकानदारों और कब्जेधारियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ जागरूक लोगों ने टीम के पहुंचने से पहले ही अपने अस्थायी ढांचे और कीमती सामान समेट लिए, जबकि हठधर्मिता दिखा रहे कई स्थानों पर बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को मलबे में तब्दील कर दिया गया। इस सघन अभियान के दौरान सड़क के दोनों किनारे अवैध रूप से रखी गई दर्जनों गुमटियां, टीन शेड, फुटपाथ पर पसरी दुकानें, सड़क जाम कर रखी गई निर्माण सामग्री (बालू-गिट्टी) और अन्य व्यावसायिक सामानों को हटा दिया गया। प्रशासन ने कई जगहों से भारी मात्रा में सामान को जब्त कर ट्रैक्टरों पर लाद दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक मुख्य मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस बड़ी कार्रवाई को लेकर चेनारी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक भारती ने बताया कि इस अभियान के बाद मुख्य सड़कें काफी चौड़ी हो जाएंगी, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा और आम जनता को प्रतिदिन लगने वाले भीषण जाम की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिल जाएगी। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार ने बताया कि पूरी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या विरोध प्रदर्शन न हो, इसके लिए पुलिस बल पल-पल मुस्तैद रहा।

गर्मी में शॉर्ट सर्किट और गैस रिसाव का बड़ा खतरा, सुरक्षा से खिलवाड़ मंजूर नहीं: एसडीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार सामने आ रही भीषण अगलगी की घटनाओं को देखते हुए रोहतास जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। सासाराम में आगजनी की संभावित घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण पाने और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू कराने के उद्देश्य से एक विशेष जांच अभियान की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को सासाराम की अनुमंडल पदाधिकारी डॉ. नेहा कुमारी एवं फायर ब्रिगेड अधिकारी सुनीता कुमारी ने संयुक्त रूप से शहर के कई संवेदनशील इलाकों का औचक निरीक्षण (सरप्राइज रेड) किया। प्रशासनिक टीम के अचानक सड़कों पर उतरने से शहर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने शहर के प्रमुख निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिकों और बड़े होटलों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था की लाइव चेकिंग की। इस हाई-लेवल चेकिंग के दौरान भवनों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों (फायर एक्सटिंग्विशर), आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट गेट), पानी के बड़े टैंकों की उपलब्धता, रेत से भरी बाल्टियों और अलार्म सिस्टम की कार्यप्रणाली की गहन पड़ताल की गई। टीम ने यह भी देखा कि अस्पतालों में लगे गैस सिलेंडर और उपकरण चालू हालत में हैं या केवल दिखावे के लिए टांगे गए हैं। जांच अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम डॉ. नेहा कुमारी ने कहा कि भीषण गर्मी के इस मौसम में शॉर्ट सर्किट, एसी ब्लास्ट और गैस रिसाव जैसी तकनीकी खामियों के कारण आग लगने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं की निगरानी को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से गया जिले में जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों का गुरुवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। बोधगया के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी जिलों से एसीएमओ सहित क्षेत्रीय एवं जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी मौजूद रहे। इनके साथ कुछ जिलों से सिविल सर्जन और जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जननी पोर्टल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर राज्य स्वास्थ्य समिति से डिप्टी डायरेक्टर डॉ अरविंद कुमार राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से नीलम सिंह, जयश्री दास, मोहम्मद कामिल, डॉ आदित्य कुमार सहित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विजय प्रकाश राय, यूनिसेफ बिहार की सीएफओ मोनिका नीलसन, हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ अजय टकरू, डॉ एस रेड्डी मौजूद रहे। इस मौके पर सभी जिलों अस्पतालों और आरोग्य दिवस में मौजूद सेवाओं के डाटा पर चर्चा की गयी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए यूनिसेफ से मोनिका नीलसन ने कहा कि जननी पोर्टल प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से अस्पताल की स्थिति, चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव पूर्व जांच, प्रसव की स्थिति, नवजात शिशुओं की देखभाल तथा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी। डॉ अजय टकरू ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सकेगी, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान समय रहते संभव होगी और आवश्यक चिकित्सीय हस्तक्षेप किया जा सकेगा।

कर्मनाशा में खेत बचाओ अभियान के तहत कार्यक्रम, किसानों को मिला प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुर्गावती। दुर्गावती प्रखंड क्षेत्र के चेहरिया पंचायत भवन पर गुरुवार को खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने, रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग करने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को हमेशा बनाए रखने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सहायक तकनीकी प्रबंधक सानंद कुमार सिंह एवं रिशु कुमार ने उपस्थित किसानों को एनपीके व सुपर खाद के संतुलित उपयोग, मृदा जांच की आवश्यकता और आधुनिक कृषि तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कराकर आवश्यकता के अनुसार खाद का प्रयोग करने से खेती की लागत काफी कम होती है और फसल का उत्पादन भी बेहतर होता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर तेजी से बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर वार्ड सदस्य राम प्रवेश, यमुना सिंह, गायत्री देवी सहित क्षेत्र के कई प्रगतिशील किसान एवं प्रबुद्ध ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी किसानों ने कृषि तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया।

दाखिल-खारिज में देरी पर सरकार सख्त, मंत्री ने तय की 15 दिनों की डेडलाइन

दाखिल-खारिज से पहले सरकारी भूमि की सूची से मिलान जरूर करें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि दाखिल-खारिज और परिमार्जन के मामलों को डिफेक्ट चेक के नाम पर नहीं लटकाएं। राजस्व विभाग की जिलावार समीक्षा के क्रम में मंत्री ने छठे दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सारण, नवादा और भागलपुर जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश जारी किया कि सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर)महीने में एक दिन किसी शनिवार को राजस्व कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करें। इस हेतु शीघ्र विभाग से विस्तृत दिशा निर्देश जारी किया जाएगा। अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। मंत्री ने कहा कि दाखिल-खारिज करने से पहले सरकारी भूमि की सूची से मिलान करने के लिए कहा, ताकि इससे सरकारी भूमि का दाखिल-खारिज किसी निजी व्यक्ति के नाम पर नहीं हो। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले किसी स्तर पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी भूमिहीन परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। सभी अंचल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें शीघ्र भूमि उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि कई अंचलों में पात्र लाभुकों को अनफिट घोषित किए जाने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे मामलों की जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी आवेदन को अस्वीकृत करने से पहले संबंधित आवेदक से संवाद अवश्य करें। इससे आम लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा और प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। डॉ। जायसवाल ने कहा कि हड़ताल के दौरान लंबित हुए मामलों के कारण आवेदनों का दबाव बढ़ा है। अब जबकि कार्य सामान्य रूप से शुरू हो चुका है, अधिकारियों को अतिरिक्त कार्य क्षमता के साथ काम करते हुए लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन करना होगा। उन्होंने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी एवं अन्य जनसरोकार से जुड़े राजस्व मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने का निर्देश दिया। मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले 15 दिनों के भीतर लंबित मामलों के निष्पादन में उल्लेखनीय प्रगति दिखनी चाहिए। एक पखवाड़े बाद फिर से समीक्षा की जाएगी और अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा राजस्व सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है। इसलिए प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों की नियमित निगरानी की जाए। समीक्षा बैठक में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं अंचल अधिकारी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने म्यूटेशन डिफ़ेक्ट चेक, ऑनलाइन दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा, गवर्नमेंट लैंड वेरिफिकेशन, राजस्व महाअभियान, पब्लिक ग्रीवांस, सहयोग शिविर तथा आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से निष्पादित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान सचिव जय सिंह एवं सचिव सीमा त्रिपाठी ने जिलों के अधिकारियों से उनके कार्य के डेटा के आधार पर बात की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान विशेष सचिव इनायत खान, अपर सचिव प्रशांत सीएच, अपर सचिव आजीव वत्सराज, अपर सचिव डॉ महेंद्र पाल, विशेष कार्य पदाधिकारी मणि भूषण किशोर, उप निदेशक मोना झा, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी जूही कुमारी, आईटी मैनेजर आनंद शंकर समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अमर शहीद जगदेव प्रसाद की प्रतिमा के अनावरण की तैयारी तेज

मुख्यमंत्री के आगमन की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड अंतर्गत बलीगांव पंचायत के बलीगांव गांव में अमर शहीद जगदेव प्रसाद की निर्मित प्रतिमा के अनावरण को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस संबंध में स्थानीय प्रतिमा निर्माण समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष मधुकर लाल कुशवाहा ने की, जबकि संचालन धनंजय कुमार ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रफीगंज विधायक प्रमोद कुमार सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय कुमार मेहता,जिला पार्षद प्रदीप चौरसिया, भाजपा नेता सह प्रखंड कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, चौबड़ा पंचायत के मुखिया संजय कुमार गुप्ता, एसी-एसटी एक्ट के स्पेशल पीपी शक्ति कुमार सिंह कुशवाहा, पूर्व मंडल महामंत्री भास्कर विभू, डॉ. विवेक कुमार शर्मा, डॉ. अरुण चौरसिया, कासमा मंडल महामंत्री चंदेश्वर पाल, भुनेश्वर यादव, त्रिकाल विश्वकर्मा समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रतिमा अनावरण समारोह, जनसभा एवं हेलीपैड निर्माण को लेकर स्थल का भौगोलिक निरीक्षण भी किया गया। समिति द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को प्रतिमा अनावरण के लिए आमंत्रित करने की तैयारी पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा, "अमर शहीद जगदेव प्रसाद सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक थे। उनकी प्रतिमा का अनावरण बलीगांव ही नहीं, पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा। सरकार और प्रशासन से समन्वय स्थापित कर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले कुछ ही सप्ताह में प्रतिमा का अनावरण कराया जाना संभव होगा।" बैठक के बाद ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोगों ने उम्मीद जताई कि शहीद जगदेव प्रसाद की प्रतिमा क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा देने का कार्य करेगी।

विनोद तावड़े से मिलकर ओबीसी मुद्दे पर की बात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और बिहार के प्रभारी विनोद तावडे से पटना में भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक अभय सिंह चंद्रवंशी ने मुलाकात की। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्री तावडे को गुलदस्ता भेंट किया। श्री तावडे से जनगणना में ओबीसी कालम शामिल करने के साथ लोकसभा विधानसभा के चुनाव में ओबीसी जातियों को प्राथमिकता देने की बात की। कहा कि इससे ओबीसी का राजनीतिक सहभागिता बढ़ सकेगी और समाज का विकास हो सकेगा।

एक नजर

बोलेरो से भारी मात्रा में शराब जब्त, तस्कर फरार

अंबा (औरंगाबाद)। कुटुंबा थाना की पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार की रात एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने लोहरचक पैक्स गोदाम के समीप से भारी मात्रा में देसी शराब से लदे एक बोलेरो वाहन को जब्त किया है। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर चालक मौके से भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि बुधवार की रात्रि गश्ती के दौरान पुलिस को लोहरचक पैक्स गोदाम के पास एक संदिग्ध बोलेरो दिखाई दी। जब पुलिस बल ने गाड़ी की घेराबंदी कर तलाशी ली, तो गाड़ी में रखे गए कुल 89 कार्टून बरामद हुए। इन कार्टूनों को खोलने पर 300 एमएल की कुल 2225 बोतलें देसी शराब बरामद हुई। पुलिस की भनक लगते ही चालक ने गाड़ी सड़क पर छोड़ दिया और रात के घने अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से रफूचक्कर हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शराब और बोलेरो दोनों को अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले में कुटुंबा थाना पुलिस ने गाड़ी के मालिक और फरार चालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर तस्करों के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है।

बेरी में स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु कार्यक्रम

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के बेरी बीपीयू के प्रांगण में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत गुरुवार को स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु का आयोजन किया गया। इस क्रम में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत बीपीयू प्रांगण में किया गया। कहा कि पेड़ है तो हम सभी जीवित है अगर पेड़ नहीं रहा तो नहीं बचेंगे। हम सभी को एक-एक पेड़ अवश्य लगाने की आवश्यकता है। वहीं जीविका दीदी के साथ जल बचाओ एकल प्लास्टिक उपयोग एवं धुसर जल प्रबंधन के तहत जीविका दीदियों को जागरूक किया गया। इस मौके पर मदनपुर प्रखंड के प्रखंड समन्वयक ओमप्रकाश कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक रौशन कुमार, वार्ड सदस्य भगवान प्रसाद, रामजतन भुइया सहित सभी स्वच्छता कर्मी एवं जीविका दीदी मौजूद रही।

शराब की तीन भट्ठियां और महुआ विनिष्ट

मदनपुर। मादक प्रदार्थों की खरीद फरोख्त यथा निर्माण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के फलस्वरूप आंजन थाना की पुलिस ने कार्रवाई की है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के चरैया नदी में की गई। जहां अवैध रूप से संचालित 3 शराब भट्ठियों और 4 हजार जावा महुआ को पुलिस ने मौके पर ही विनष्ट कर दिया। जबकि 68 लीटर महुआ शराब बरामद कर थाना लाया गया है। वहीं शराब कारोबार करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि चरैया नदी किनारे छापेमारी के फलस्वरूप 3 भट्ठी एवं करीब 4००० लीटर जावा महुआ को विधिवत विनष्ट किया गया। इस दौरान 68 लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया। मामले में एक करोबारी महिला को गिरफ्तार किया गया है जिसे आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया।

लापता होने पर पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के अदलपुर गांव निवासी एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवक के पिता ने रफीगंज थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। अदलपुर गांव निवासी बीरेन्द्र कुमार ने थाने में दिए आवेदन में बताया है कि उनका 21 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार 2 जून 2026 को दोपहर करीब 2 बजे दिन में अपने माँ से 500 रुपए लिया बोला कि एसएससी का फॉर्म भरने जाना है। घर से निकलने के दौरान वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ गया था। इसके बाद वह अभी तक वापस नहीं लौटा। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है, मामले की तहकीकात की जारी है।

जयगोविंद प्रसाद किये गए सम्मानित

दाउदनगर (औरंगाबाद)। नगर परिषद के सशक्त स्थायी समिति के सदस्य चुने जाने पर वार्ड पार्षद सह भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष जय गोविंद प्रसाद को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय माता कर्मा क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जेपी कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद विनोद गुप्ता, रामनरेश प्रसाद, हरेश प्रवीण, शशि कुमार, जेपीजी, महेश प्रसाद शामिल रहे। वक्ताओं ने इनको फूल माला अंग वस्त्र एवं माता कर्मा का मोमेंटो देकर सम्मानित किया। रवि कुमार, जितेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, दीपक कुमार, अमित कुमार, नाथू प्रसाद, संतोष कुमार, मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा नियमों के खिलाफ डीटीओ सख्त, वसूला गया जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के रमेश चौक के समीप जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश के आलोक में गुरुवार को जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी के नेतृत्व में हेलमेट जांच, नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों एवं नाबालिगों द्वारा वाहन परिचालन के विरुद्ध विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता सुनिश्चित करना था। अभियान के क्रम में बिना पंजीकरण एवं नाबालिगों द्वारा परिचालित कुल 12 ई-रिक्शा को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त बिना हेलमेट वाहन चला रहे दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त किया गया। जांच के दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में कुल 47,500 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार के विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर संचालित किए जाएंगे तथा नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में सभी मोटरयान निरीक्षक, औरंगाबाद एवं प्रवर्तन अवर निरीक्षक, औरंगाबाद उपस्थित थे।

पौधारोपण और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

रफीगंज (औरंगाबाद)। विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम पंचायत केराप के मुख्दुमपुर स्थित सामुदायिक भवन में जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व स्थानीय स्वच्छता पर्यवेक्षिका धनवंती कुमारी ने किया। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान मिशन लाइफ अभियान के तहत ग्रामीणों को "जल बचाएं", "एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का बहिष्कार करें" तथा "भूजल संरक्षण हेतु सोख्ता निर्माण एवं वर्षा जल संचयन अपनाएं" जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण किया गया। प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। स्वच्छता अभियान में स्वच्छता पर्यवेक्षक अनिल कुमार, रविंद्र शर्मा, रामकुमार, बिना कुमारी, चंदन कुमार यादव, मृत्युंजय कुमार, मोहम्मद मूसा, दीपक कुमार, रविंद्र कुमार, रामेश्वर चौधरी, मोहम्मद नौशाद, नारायण कुमार, मोहम्मद मेराज, अजय कुमार, कपिलदेव कुमार, संटू कुमार, मदन कुमार, पंकज चौधरी एवं रणधीर कुमार सहित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, युवा समूहों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान पंचायत के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं सामुदायिक परिसरों की साफ-सफाई की गई तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते

अग्निशमन विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान, कई स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। अनुमंडल अग्निशमन कार्यालय, औरंगाबाद के कर्मियों द्वारा अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों, प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, होटलों एवं दुकानों में मॉक ड्रिल का आयोजन कर लोगों को आग लगने की स्थिति में बचाव एवं सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के तहत पम्पलेट वितरण के साथ-साथ वॉल पेंटिग के माध्यम से भी अग्नि सुरक्षा संबंधी संदेशों का प्रचार-प्रसार किया गया। अग्निशमन कर्मियों ने लोगों को आग लगने के कारणों, प्राथमिक सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी। जिन स्थानों पर मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए उनमें सिदुरिया गांव, हाईवे हॉस्पिटल एनएच-2 (भोपतपुर पंचायत), सीरिस गांव की दुकानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों, जोगिया गांव के होटल, शिवानी इंटरप्राइजेज, शेख बिगहा में किसानों के साथ बैठक, रामपुर मुरादाबादी चिकेन बिरयानी दुकान, करीम साबरी होटल तथा खैरा गांव में जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के प्रधान अग्निक रोहित राज, चालक आलोक कुमार, अग्निक रौशन कुमार एवं सोनू कुमार की सक्रिय भागीदारी रही। अग्निशमन विभाग ने लोगों से अपील की कि आगजनी की किसी भी घटना की सूचना तत्काल विभाग को दें तथा सुरक्षा मानकों का पालन कर दुर्घटनाओं से बचाव सुनिश्चित करें।

देव में पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक

औरंगाबाद/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देव सूर्य मंदिर के समीप प्रशासनिक भवन में गुरुवार को पेंशनर्स एसोसिएशन समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष बीरेंद्र सिह ने किया। बैठक में पिछले प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। सर्वसम्मति से पेंशनर्स एसोसिएशन भवन बनाने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह को सम्मानित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक के पूर्व साथ सेवानिवृत्त शिक्षक नेमन राम मेहता, शिक्षक जगदीश शर्मा के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन होकर प्रार्थना की गई। नेमन मेहता और जगदीश शर्मा के किए गए योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर प्रमुख सदस्य श्यामता प्रसाद यादव, श्याम सुंदर पांडेय, उद्देश्य राम, अजय प्रसाद, रामनारायण प्रसाद, नवल सिह, केदार सिह, भोला यादव, राजेंद्र प्रसाद, पेंशनर्स समाज के सहित बैठक में मौजूद रहे। बैठक का संचालन सचिव रामचंद्र चौरसिया ने किया।

अपराध व नशापान के विरुद्ध ग्रामीणों ने छेड़ी मुहिम, चोर-डकैत होशियार- निगरानी कमेटी है तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। बंद घरों में चोरी की घटना से क्षेत्र में दहशत है। बेलाढ़ी में दो घरों में हुई ऐसी ही घटना में 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति चोरी चली गई थी। पुलिस अपने तरीके से कार्रवाई कर रही है। लेकिन ग्रामीण अब खुद अपनी संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। बजाप्ता निगरानी समिति बनाकर रात्रि में एक तरह से कहें तो पहरेदारी की जा रही है, ताकि चोरी की घटनाएं न हो। चोरी डकैती की घटना रोकने के साथ ही नशा पान के खिलाफ भी ग्रामीणों ने मुहिम छोड़ दी है। ग्रामीणों ने बैठक आयोजित कर निगरानी कमिटी का गठन किया। बैठक में नरेंद्र कुमार सिंह, आशुतोष कुमार पटेल, सुनील कुमार सिंह, दिलीप कुमार, मनोज कुमार, शैलेश कुमार, अशोक यादव, मुन्ना सिंह, नन्हे पासवान, संतोष पासवान, मिथिलेश सिंह, शंभू प्रसाद, साधू सिंह शामिल हुए। कमिटी के गठन के साथ ही ग्रामीणों ने जागरूकता के लिए एक पर्चा भी छपवाया है, जिस पर बड़े अक्षरों में लिखा गया है – "चोर-डकैत होशियार, निगरानी कमिटी है तैयार."इस परचे को गांव में साटा गया है। सूखे नशे और जुए पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। रात 11 बजे के बाद गांव में अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों को अपना स्पष्टीकरण देना होगा। बीएस, बोनफिक्स, व्हाइटनर, सॉल्यूशन जैसे सुखा नशा पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सरकारी विद्यालयों में स्कूल बंद होने के बाद किसी के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा शराब तस्करी और जुआ जैसी गतिविधियों को भी पूरी तरह प्रतिबंधित घोषित किया गया है। विद्यार्थियों के लिए भी विशेष नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत रात नौ बजे के बाद गांव में घूमने पर रोक रहेगी। आशुतोष पटेल ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि दिखने पर मोबाइल पर सूचना देनी है। ग्रामीणों से इसकी अपील की गयी है। कहा गया है कि यदि किसी को कहीं भी संदिग्ध गतिविधि या नियमों के उल्लंघन की जानकारी मिले तो वह तुरंत पर्चे में दिए गए मोबाइल नंबर पर सूचना दे। श्री पटेल ने बताया कि निगरानी कमिटी के सदस्य रात में नियमित रूप से गांव का भ्रमण करेंगे और तय किए गए नियमों को प्रभावी ढंग से लागू कराने का प्रयास करेंगे।

इंस्पायर अवार्ड में औरंगाबाद बना बिहार में नंबर वन जिला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। इंस्पायर अवार्ड में औरंगाबाद बिहार का नंबर वन जिला बन गया है। इस पर बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन, औरंगाबाद के जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने जिले की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में औरंगाबाद जिला बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा है। जिले के 53 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता, वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की उत्कृष्ट उपलब्धि को दर्शाता है। संघ द्वारा सभी चयनित विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। विशेष रूप से मुकुल कुमार, मृदुला सिन्हा तथा इस अभियान से जुड़े अन्य समर्पित शिक्षकों के अथक प्रयास, मार्गदर्शन एवं योगदान की सराहना की गई है, जिनकी प्रेरणा और मेहनत से विद्यार्थियों ने यह गौरवपूर्ण सफलता प्राप्त की है। संघ द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि इंस्पायर अवार्ड में औरंगाबाद जिले को बिहार में प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों, समन्वयकों एवं अन्य सहयोगियों को आगामी सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान शिक्षा, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त करने का एक प्रयास होगा। संघ का मानना है कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की सफलता नहीं, बल्कि पूरे जिले की शैक्षणिक प्रतिबद्धता, शिक्षकों की मेहनत एवं विद्यालयों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। औरंगाबाद ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि समर्पण, परिश्रम और नवाचार के बल पर नई ऊंचाइयां प्राप्त की जा सकती हैं।

रानी तालाब में 6 को होगा 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन

देव/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर देव में सकारात्मक ऊर्जा के संचार तथा मां काली स्थापना दिवस को धूमधाम से मनाने के उद्देश्य से काली स्थान शिवालय समिति ट्रस्ट द्वारा 6 तारीख को रानी तालाब परिसर में 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देव प्रखंड की विभिन्न सनातनी कीर्तन मंडलियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ 24 घंटे का अखंड संकीर्तन किया जाएगा। आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए रानी तालाब के चारों ओर दीपों से सजावट की जाएगी। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए समाजसेवी दीपक धनराज, राहुल सिंह, गोरख साव, संतोष भारती, गुड्डू सिंह, राजबंश सिंह, मनीष कुमार और चंदन कुमार पिछले एक सप्ताह से श्याम नारायणी परिवार के सदस्यों को एकजुट करने में जुटे हुए हैं।

अवैध खनन करते दो ट्रैक्टर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। अवैध खनन के खेल पर आखिरकार पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई कर कड़ा प्रहार किया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल और जिला खनन पदाधिकारी हरेश कुमार के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत अवैध खनन में लगे दो ट्रैक्टर दाउदनगर थाना क्षेत्र से जब्त किया गया है। इस कार्रवाई के बाद खनन माफियाओं में खौफ और बेचैनी का माहौल है। बताया जा रहा है कि यह अवैध खनन लंबे समय से संगठित तरीके से किया जा रहा था, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा था। मिली जानकारी के अनुसार औरंगाबाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से अवैध खनन की खबरें लगातार पुलिस मुख्यालय तक पहुंच रही थीं। अवैध बालू खनन का यह धंधा रात के अंधेरे में बेखौफ जारी था। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी थानों को सख्त हिदायत दी थी कि अवैध खनन में शामिल तत्वों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इसी कड़ी में खनन विभाग की टीम और दाउदनगर थाना प्रभारी ने संयुक्त छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से खनन कर दो ट्रैक्टरों को मौके से जब्त किया गया। हालांकि चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहे। जब्ती की इस कार्रवाई से अवैध खनन गिरोह में हड़कंप मच गया है। माइनिंग इंस्पेक्टर कुमार प्रत्यूष ने बताया कि जब्त ट्रैक्टरों के मालिकों और इसमें संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है। उनके खिलाफ खनन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताया कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे भी इसी तरह का विशेष अभियान जारी रहेगा और दोषियों को कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। विदित हो कि पुलिस की इस सख्ती के बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों में दहशत का माहौल है। अब देखना यह होगा कि यह अभियान कितनी दूर तक माफियाओं की कमर तोड़ पाता है। फिलहाल प्रशासन ने संकेत दे दिया है कि अवैध धंधे पर अब लगातार वार होगा।

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
टॉप ईंट भट्ठा
प्रो. भरत प्रसाद सिंह
सनथुआ, बारून, औरंगाबाद

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
शुभम ईंट भट्ठा
प्रो. दुर्गेश कुमार सिंह
प्रखंड अध्यक्ष-हम सह बीस सूत्री सदस्य, बारून
जोगिया (औरंगाबाद)

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
संजय कुमार चौधरी
मुखिया
सरैया, तिलौथू (रोहतास)
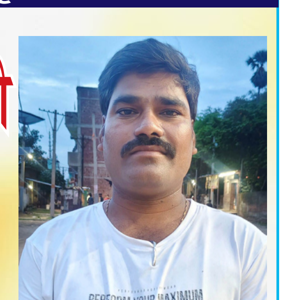

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
टी एस ईंट भट्ठा
प्रो. योगेन्द्र सिंह
तेतरिया (औरंगाबाद)

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
हीरो नं.1 ईंट भट्ठा
प्रो. अरविन्द कुमार सिंह
उपाध्यक्ष- बिहार स्टेट ईंट निर्माता
सहेया, जोगिया (औरंगाबाद)

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
आरपीएस ईंट भट्ठा
प्रो. अखिलेश सिंह (बाढ़ु), पुष्पेन्द्र सिंह
कॉस जोगिया, बारून (औरंगाबाद)

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
एस के एस ईंट भट्ठा
प्रो. धनंजय सिंह
सनथुआ, बारून, औरंगाबाद

पर्यावरण संरक्षण ही हमारा संकल्प
वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं
बीएमसी ईंट भट्ठा
प्रो.- विजय कुमार सिंह
सहेया (औरंगाबाद)

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों की भूमिका अहम

बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर जाकर उपलब्ध कराएंगे गणना प्रपत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। मतदाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर -2026) को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और अद्यतन प्रक्रिया को लेकर विस्तृत चर्चा की गई उपायुक्त ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। यदि कोई मतदाता घर पर नहीं मिलता है तो बीएलओ तीन बार संपर्क का प्रयास करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर दूरभाष के माध्यम से भी संपर्क स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर -2026 को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। किसी भी पात्र मतदाता का नाम जानबूझकर नहीं हटाया जाएगा। केवल मृत, डुप्लीकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा लंबे समय से अनुपस्थित मतदाताओं के नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटाए जाएंगे। बैठक में राजनीतिक दलों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बीएलए -2 की नियुक्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी और पारदर्शिता बनी रहे निर्वाचन विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम के अनुसार 20 जून से 29 जून तक प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य, 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर सत्यापन अभियान तथा मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त 2026 को होगा। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि उनका निष्पादन 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अनुपस्थित, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा एक से अधिक स्थानों पर नामांकित मतदाताओं एएसडीडी की सूची तैयार की जा रही है। इस सूची को राजनीतिक दलों के उख्रइ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा तथा मतदान केंद्रों और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए सभी राजनीतिक दल, बीएलओ बीएलए तथा आम मतदाता इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें, ताकि गिरिडीह जिले की मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बन सके बैठक में बहुजन समाज पार्टी, आजसू, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, राजद, सीपीएम तथा आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों सहित निर्वाचन विभाग एवं जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित थे।

26 से 28 जून तक होगा चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड के युवा फिल्मकारों और मास कम्युनिकेशन के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर चित्रपट झारखंड फिल्म फ़ेस्टिवल 2026 का आयोजन आगामी 26 से 28 जून तक सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची परिसर में किया जाएगा। यह तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव राज्य की फिल्म प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस सिलसिले में आयोजन समिति के सचिव पुलिन मित्रा और नवीन सहाय ने गुरुवार सुबह 11 बजे पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के ज्योति लोक होटल में प्रेस को संबोधित किया। पुलिन मित्रा ने कहा कि फ़ेस्टिवल की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल झारखंड के फिल्मकारों द्वारा निर्मित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। चयनित फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग भी आयोजित होगी, जहां दर्शकों के साथ-साथ फिल्म विशेषज्ञों को भी इन रचनाओं को देखने और समझने का अवसर मिलेगा। इससे नए और उभरते फिल्मकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्राप्त होगा। लघु एवं वृत फिल्म के लिए 500-500 जबकि कैंपस फ़िल्म के लिए 250 रुपए पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है।

बाइक सवार युवक-युवती की सड़क हादसे में मौत

- तेज रफ्तार बाइक आई ट्रक की चपेट में
- मोरांगी के समीप हुआ भीषण सड़क हादसा
- पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। रांची-पटना मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोरांगी के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ट्रक की चपेट में आ गई। मृतकों की पहचान केशुरा घुघलिया निवासी तौफिक अंसारी (पिता- रियासत अंसारी) और रेशमा (पिता- जेनुअल) के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक तेज गति से हजारीबाग की ओर जा रही थी। मोरांगी के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से मोटरसाइकिल ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर ट्रक के नीचे आ गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक रेशमा हजारीबाग के केबी महिला महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी और अपनी बहन के घर रह रही थी। वहीं तौफिक अंसारी अपने पिता के इलाज के सिलसिले में हजारीबाग आया था। बताया जाता है कि दोनों किसी काम से मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। मुफस्सिल थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

हजारीबाग पुलिस के विशेष अभियान में 31 गिरफ्तार

महिलाओं से संबंधित अपराधों और पॉक्सो मामलों में फरार आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। महिलाओं से संबंधित अपराधों एवं पॉक्सो मामलों में फरार चल रहे आरोपियों, वारंटियों और अभियुक्तों के विरुद्ध हजारीबाग पुलिस ने विशेष समकालीन छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 3 जून 2026 की रात्रि जिलेभर में यह विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में कुल 29 टीमों का गठन किया गया। इन टीमों में लगभग 87 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर कुल 31 फरार अपराधियों एवं वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 31 वारंट एवं कुर्की आदेशों का भी निष्पादन किया गया। हजारीबाग पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि यदि उनके क्षेत्र में कोई अपराधी गिरफ्तारी के डर से छिपा हुआ है या फरार चल रहा है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें। सूचना प्राप्त होने पर उसका सत्यापन कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा तथा महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश से नाबालिग किशोरी बरामद

चौपारण पुलिस की तत्परता से परिजनों को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण थाना पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी की बरामदगी के मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत के आधार पर दर्ज कांड में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशोरी को उत्तर प्रदेश से सकुशल बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला ने ने 17 मई 2026 को अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की सूचना देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का विश्लेषण किया। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के दुर्गागंज थाना क्षेत्र पहुंची, जहां से किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। किशोरी का बयान दर्ज करने एवं अन्य औपचारिकताओं के उपरांत उसे परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं, मामले में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नाबालिगों से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है तथा इस प्रकरण में भी सभी तथ्यों की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ के बाद इलाके में तनाव, पुलिस बल तैनात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के तीनमहुआ गांव में हुड़दंगीयों के द्वारा एक धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचाने के बाद दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना पाकर जमुआ थाना पुलिस के अलावा जिला पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। घटना में एक चौकीदार के भी घायल होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिबंधित पशु का कटा हुआ सर पाए जाने के बाद से ही दो समुदाय के बीच तनाव की स्थिति थी। इसके बाद धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ की घटना हुई है। घटना के बाद गिरिडीह एसपी डा. विमल कुमार की त्वरित कार्रवाई की वजह से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। अभी भी सैकड़ो की संख्या में पुलिस लगातार कैंप कर रही है और पूरे इलाके को ब्लॉक कर दिया गया है ताकि कोई बाहरी असामाजिक तत्व आकर स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश ना करे। इधर मामले को लेकर हजारीबाग के ग्रामीण वीरू चौधरी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है। माहौल को शांत करने के बाद से पूरे इलाके में नजर रखी जा रही है और कुछ 9-10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर रखे हुए है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है।

निरसा में पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, इलाज के दौरान मौत, आरोपित मामा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

निरसा। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक 5 वर्षीय आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि रिश्ते में मामा लगने वाले व्यक्ति ने बच्ची को घर में अकेला पाकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। गंभीर हालत में बच्ची को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, निरसा में रहने वाली 5 वर्षीय बच्ची घर में अकेली थी। इसी दौरान रिश्ते में मामा लगने वाले मनोज मरांडी ने कथित रूप से उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद बच्ची गंभीर रूप से घायल और बेसुध अवस्था में मिली। परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। मासूम की मौत की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। पूरे बस्ती में मातम का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस सक्रिय हो गई। ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया और फरार आरोपी मनोज मरांडी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बच्ची के शव का वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि दुराचार और बच्ची की मौत की सूचना मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। रिश्तों को कलंकित करने वाली इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। अब पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों की मांग है कि मामले की सुनवाई त्वरित न्यायालय में हो और दोषी को कठोरतम सजा मिले।

एसपी ने की लंबित कांडों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग द्वारा चौपारण थाना परिसर में लंबित कांडों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों की प्रगति, अनुसंधान की स्थिति एवं लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों एवं अनुसंधानकर्ताओं से लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने महिला अपराध, पोक्सो, साइबर अपराध, हत्या, लूट एवं अन्य गंभीर मामलों की जांच में तेजी लाने और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राधा किशोर प्रसाद, पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान वारंट एवं कुर्की के निष्पादन, लंबित आरोप पत्रों के समर्पण तथा अपराध नियंत्रण को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लंबित कांडों का समयबद्ध निष्पादन पुलिस की प्राथमिकता है तथा अनुसंधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विधि-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया।

बैठक के अंत में थाना अभिलेखों एवं प्रशासनिक कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं बेहतर पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया गया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

निर्धारित समय पर कार्य संपन्न करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कई जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

गढ़वा। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम की अध्यक्षता में गढ़वा जिला समाहरणालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतेंद्रनाथ तिवारी, भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव, जिला परिषद, नगर परिषद, नगर निगम अध्यक्षों, सभी प्रखंड के प्रमुखों के साथ उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्र और संबंधित विभाग अध्यक्ष उपस्थित थे। सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि केंद्र और राज्य द्वारा संचालित योजनाओं/परियोजनाओं का विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त सहित संबंधित विभाग के विभाग अध्यक्ष को समय के साथ और गुणवत्ता के साथ त्रुटि पूर्ण कार्य करने को निर्देशित किया गया है। बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता के तौर पर पूर्ण करने को कहा गया है। गढ़वा विधायक सतेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि बुनियादी जरूरतों के साथ ही भूमि माफियाओं पर अंकुश के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती हालत को सुधारने की बात कही है।

जवइनिया में गंगा कटाव की शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय सख्त

पूर्व विधायक की शिकायत पर जल संसाधन विभाग को जांच का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

विधायक मुन्नी देवी ने की थी शिकायत

शाहपुर (भोजपुर)। भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत जवइनिया गांव में गंगा पर कटाव निरोधी कार्य में कथित अनियमितता की शिकायत को मुख्यमंत्री सचिवालय ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग के सचिव को जांच कर आवश्यक कारवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय के विशेष कार्य पदाधिकारी इन्द्रवीर कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार पूर्व विधायक मुन्नी देवी ने ई-मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी थी। शिकायत में जवइनिया गांव में चल रहे गंगा कटाव निरोधी कार्य में अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया गया है तथा इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने जल संसाधन विभाग को भेजे गए पत्र में कहा है कि शिकायत से संबंधित सभी तथ्यों की जांच कर नियमानुसार उचित निर्णय लिया जाए। साथ ही की गई कारवाई की जानकारी पूर्व विधायक मुन्नी देवी को उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री सचिवालय को भी सूचित करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में उल्लेख है कि शिकायत 18 मई 2026 को ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई थी। जिसे कारवाई के लिए संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय के इस निर्देश के बाद गंगा कटाव निरोधी कार्य की जांच को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

सदर अस्पताल गेट पर ट्रैक्टर चालकों से अवैध वसूली का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नगर थाना में दिया गया आवेदन

अररिया। अररिया में मक्का लेकर गुलाबबाग मंडी जा रहे ट्रैक्टर चालकों ने पुलिसकर्मियों पर अवैध वसूली, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में रामपुर मोहनपुर (पश्चिमी) पंचायत के डमहैली निवासी अशरफ आलम ने नगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि 4 जून की रात करीब 3:10 बजे वह मक्का लदी ट्रैक्टर लेकर गुलाबबाग मंडी जा रहे थे। उनके साथ दो अन्य ट्रैक्टर चालक सुबोध कुमार ऋषिदेव और सरवर आलम भी थे। आरोप है कि अररिया सदर अस्पताल के मुख्य गेट के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो पुलिसकर्मियों ने उनकी गाड़ियों को रोक लिया और प्रति ट्रैक्टर 500 रुपये की मांग करने लगे। आवेदन के अनुसार जब चालकों ने पैसे देने में असमर्थता जताई तो पुलिसकर्मियों ने अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की तथा झूठे मुकदमे में फंसाने और भारी चालान काटने की धमकी दी। आरोप है कि बाद में उनसे 100 रुपये लेकर जाने दिया गया।

अशरफ आलम ने बताया कि घटना के समय अस्पताल गेट के सामने स्थित चाय दुकान खुली थी और वहां मौजूद दुकानदार समेत अन्य लोग घटना के प्रत्यक्षदर्शी हैं। उन्होंने दावा किया कि संबंधित पुलिसकर्मियों की पहचान वह चेहरा देखकर कर सकते हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अन्य ट्रैक्टर चालकों से जानकारी मिली कि उनके साथ भी इसी प्रकार की अवैध वसूली और दुर्व्यवहार किया गया है।

पीड़ित ने कहा कि मक्का किसान पहले से ही कम उपज, बेमौसम बारिश, आंधी और फसल के उचित दाम नहीं मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में कथित अवैध वसूली और उत्पीड़न से किसान मानसिक रूप से परेशान हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता फैसल यासीन ने कहा कि मक्का किसानों के साथ इस तरह का गलत है, मक्का किस ऐसे ही परेशान रहते हैं।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों की पहचान करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इंटर्नशिप कर रहे छात्र छात्राओं ने किया सर्वेक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोईलवर। 'नई आशा' के अंतर्गत इंटर्नशिप कर रहे छात्र-छात्राओं ने आज गिद्धा पंचायत के पूर्वी मुसहर टोली का सर्वेक्षण किया। इस दरमियान अमन बिहारी, रुचि यादव, शिवानी, श्रुति, शीतल कुमारी, मोहित, प्रदुमन, समीर एवं विष्णु आदि छात्र-छात्राओं ने विभिन्न बिंदुओं पर 49 घरों का सर्वे किया। सर्वे में ये लोग मुसहर टोली की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति का विस्तृत सर्वे कर रहे हैं। संस्था के जिला समन्वयक कुंदन कुमार सिंह ने बताया की सर्वे के क्रम में इंटर्नशिप कर रहे छात्र-छात्राओं का मोहल्ला के लोगों ने काफी सहयोग किया।

प्रापर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

भागलपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भागलपुर जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में आज कुछ अपराधियों ने एक प्रापर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि मृतक की पहचान श्याम साह 45 वर्ष के रुप में हुई है और वह इस क्षेत्र के पोखरिया गांव का रहने वाला था। हादसे के समय श्याम साह गुरुवार की सुबह अपने खेत से वापस घर लौट रहा था, तभी रास्ते में पोखरिया चौक के पास पहले से घात लगाए मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने उसे रोककर गोली मार दी और भाग गया। सूत्रों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गंभीर रुप से घायल श्याम साह को तुरंत नवगछिया के अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच में उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि मृतक जमीन की खरीद-बिक्री का काम करता था।

जुनैद हत्याकांड के फरार अभियुक्तों के घर कुर्की जब्ती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। शहर के नावाडीह निवासी मेडिकल दुकान संचालक जुनैद हत्याकांड में फरार चल रहे अभियुक्तों के घर पर नगर थाना पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की है। बता दे जुनैद अहमद की बीते फ़रवरी माह में हत्या कर दी गई थी जिसमें अब तक आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है जबकि कांड के तीन अभियुक्त फरार चल रहे है। लंबे समय से फरार रहने के कारण कोर्ट के निर्देश पर गुरुवार को नावाडीह मोहल्ला निवासी मो. गालिब, मो. दानिश एवं मो. सैफ उर्फ मैडी के घर पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। तीनों अभियुक्त सगे भाई है। यह कार्रवाई सदर अंचलाधिकारी अनुज सिंह के नेतृत्व में की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए घर की चल-अचल संपत्तियों का सूचीकरण कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। अंचलाधिकारी ने बताया कि फरार अभियुक्तों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी ताकि न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। कुर्की-जब्ती की कार्रवाई में सर्किल इंस्पेक्टर फहीम आजाद खां, एसआई उमेश यदव सहित सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे। उन्होंने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस नावाडीह मोहल्ला स्थित अभियुक्तों के आवास पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से न्यायालय के आदेश को पढ़कर सुनाया तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत संपत्ति का विवरण तैयार किया। इसके बाद घर में मौजूद सामानों की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई।

सड़क दुर्घटना में शिक्षक की मौत, बेटी गंभीर

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। मदनपुर थाना क्षेत्र के एनएच-19 पर दर्जी बिगहा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक शिक्षक की मौत हो गई जबकि 12 वर्षीय बेटी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के बंगरे गांव निवासी प्रमोद कुमार मेहता के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार मेहता मध्य विद्यालय बादम में शिक्षक के तौर पर कार्यरत थे। गुरुवार को वे अपनी बेटी के साथ बाइक द्वारा मदनपुर से अपने घर जा रहे थे तभी गैस लदे ट्रक की टक्कर से गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने मगध मेडिकल कॉलेज गयाजी रेफर किया गया लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक शिक्षक की मौत हो गयी जबकि उनकी बेटी जख्मी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया है। पुलिस जब्त ट्रक के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दो अभियुक्तों ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। गोली मारकर हत्या का प्रयास करने के मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्तों ने अलग-अलग थानों में आत्मसमर्पण किया है। मामला कुटुंबा थाना से जुड़ा हुआ है। घटना 27 अप्रैल की है जिसमें चिंतावन बिगहा गांव में बारात निकलने से पहले लड़की के प्रेमी ने दुल्हे के पिता सुनील पांडेय उर्फ अरुण पांडेय पर गोली चलवा दी थी। दूल्हे के पिता सुनील पांडेय उर्फ अरुण पांडेय अपने चचेरे भाई प्रमोद पांडेय के साथ अंबा बाजार से सामान की खरीदारी कर स्कुटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अंबा-नवीनगर मुख्य पथ पर रसोईया गांव के पास अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया और चेहरे पर गोली मार दी जिसमें वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। फिलहाल वे लंबे चिकित्सीय उपचार के बाद खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार इस घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी और लड़की के प्रेमी के बीच डेढ़ लाख रुपए में सौदा तय हुआ था जिसमें दूल्हे या उसके पिता को शादी से पहले मारना शामिल था ताकि शादी रुक जाए। इसके लिए आरोपी को 50 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे। कांड की गंभीरता पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को पहले जेल भेज चुकी है जबकि आज लड़की के प्रेमी दिलीप कुमार और दिनेश कुमार उर्फ जट्टा ने आत्मसमर्पण किया है। अभियुक्त दिलीप कुमार पटना जिले के आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्र के नगर बिहटा का जबकि दिनेश कुमार उर्फ जट्टा पटना जिले के ही चकमुनज़े गांव का रहने वाला है। थानाध्यक्ष मो. इमरान आलम ने बताया कि दोनों अभियुक्त लंबे समय से फरार थे। इसी क्रम में कोर्ट के निर्देश पर दोनों अभियुक्तों के घर पर कुर्की की कार्रवाई की गई जिसके फलस्वरूप दोनों ने अलग-अलग थानों में आत्मसमर्पण किया। इस दौरान दिलीप कुमार ने पटना के जक्कनपुर थाना में और दिनेश कुमार ने पटना के फुलवारीशरीफ में आत्मसमर्पण किया है। आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

दुष्कर्म सहित अन्य मामलों में 42 लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस ने सघन अभियान चलाया। इस क्रम में बुधवार की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में कुल 42 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 18 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार दुष्कर्म, पोक्सो एवं दहेज हत्या में एक-एक, हत्या के प्रयास में 5, मद्य निषेध अधिनियम के तहत 9 तथा अन्य मामलों में 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस दौरान 958.30 लीटर देसी शराब एवं एक बोलरो बरामद किया गया। वाहन जांच अभियान के तहत 1267 वाहनों की जांच की गई जिसमें 19500 रूपये जुर्माना वसूला गया है। इसके अलावा 27 वारंटों एवं एक कुर्की का निष्पादन किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, लोगों ने दिया हरित भविष्य का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और जागरूक नागरिकों ने पेड़-पौधों के संरक्षण, जल बचाने तथा प्रदूषण कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि हर नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना आवश्यक

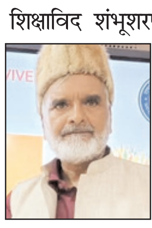

शिक्षाविद शंभूशरण सिंह ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विद्यालय स्तर से ही प्रकृति संरक्षण की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बन सकें।

वृक्षारोपण को बढ़ावा देना जरूरी

महिला नेत्री अनिता सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर खेती पर पड़ रहा है। जल संरक्षण, जैविक खेती और वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है।

घटता हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती

सामाजिक कार्यकर्ता शशांक शेखर कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटता हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। सरकार भी इसके लिए लोगों को प्रोत्साहित कर रही है।

युवाओं को निभानी चाहिए अग्रणी भूमिका

योग प्रशिक्षिका स्वीटी गुप्ता ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग कम करना, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और स्वच्छता बनाए रखना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

चोर की पहचान करने वालों को मिलेगा इनाम

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। बीते दिनों खुदवां थानांतर्गत ग्रामीण बैंक में अज्ञात चोर द्वारा चोरी का प्रयास किया गया था। इस दौरान घटना को अंजाम देने वाले चोर की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। मामले में खुदवां पुलिस ने उक्त चोर पर पांच हजार रुपये का इनाम रखा गया है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज़ को अलग-अलग थानों में भेजा गया है और इससे संबंधित मैसेज वाट्सएप्स ग्रुपों तथा सोशल मीडिया पर अपलोड है।

लोक शिकायत के मामलों का हो प्रभावी समाधान : डीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की कॉज लिस्ट के अनुसार जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित परिवादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित विभागों एवं लोक प्राधिकारों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम का उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा की गई कार्रवाई की सूचना परिवादियों को समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाए। सुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार के लोकहित एवं व्यक्तिगत शिकायतों से संबंधित मामलों पर विचार किया गया।

बंद घर से डेढ़ लाख की संपत्ति की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। शहर में स्थित एक और बंद घर में बीती रात चोरी की घटना से दहशत में लोग आ गए हैं। यह घटना शहर के वार्ड संख्या 17 में इमली तल के समीप एक गली में कुआं के पास की है जहां कैलाश कुमार के घर में चोरी की घटना घटी है। बताया जाता है कि कैलाश कुमार मंगलवार की दोपहर अपने घर में ताला बंद कर पूरे परिवार के साथ मजदूरी करने के लिए गोरखपुर चले गए थे। उसी रात उनके घर में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया। इसकी सूचना मिलने के बाद वे बुधवार की रात्रि अपने घर पहुंचे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। गोदरेज और बक्सा टूटा हुआ है। जैसे ही वह कार्य स्थल पर पहुंचे तो उसी दौरान यह सूचना मिली कि उनके घर में चोरी हो गई है। चोरों ने घर में रखा सोना, चांदी के जेवरात, बर्तन सहित अन्य सामान चुरा लिया है। चोरों ने सोने का एक पीस मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने का झुमका, एक पीस सोने का मंग टीका, दो जोड़ा चांदी का पायल, पांच हजार नकद और बर्तन चुरा लिया है। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की पुलिस ने पहुंचकर जांच-पड़ताल किया। घर में ताला बंद था। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर लगभग डेढ़ लाख रुपए की संपत्ति चुरा ली। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विश्व पर्यावरण दिवस, 2026

विश्व पर्यावरण दिवस हमें वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करने की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का वैश्विक विषय "जलवायु परिवर्तन" (Climate Change) है, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने की तरफ समाज का ध्यान आकर्षित करता है। बढ़ते तापमान, अत्यधिक मौसमी परिवर्तन और जैव विविधता का क्षरण प्रकृति के स्पष्ट संकेत हैं, जो हमें ठोस एवं कारगर कदम उठाने को प्रेरित करते हैं।

झारखंड, जो वनों, नदियों और समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है, भारत की पारिस्थितिक धरोहर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें और साथ ही सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ें। सभी नागरिक यदि पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाएं, प्रदूषण कम करें, जल संरक्षण करें और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें, तो बहुत हद तक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है।

हमारा राज्य पर्यावरणीय स्थिरता और हरित विकास को सशक्त बनाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वास्तविक प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है, चाहे वह वृक्षारोपण या ऊर्जा संरक्षण के द्वारा हो। एक छोटा सा प्रयास भी एक स्वच्छ और स्वस्थ झारखंड की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारा राज्य प्रकृति के साथ सामंजस्य में फलता-फूलता रहे और राष्ट्र तथा विश्व के लिए जिम्मेदार पर्यावरणीय प्रबंधन का प्रेरणादायक उदाहरण बने।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड

PR-381561 (Forest, Environment and Climate Changes) 26-27